www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 समय के अनुरूप जीएसटी में सुधार, विकास को मिलेगी नई गति

ब्रिटेन की डिप्टी-पीएम का इस्तीफा 06

वर्ष :17 | अंक :157 | प्रयागराज , शनिवार , 06 सितम्बर , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

घायल हाथी की इलाज के लिए भुवनेश्वर ले जाने के दौरान मौत

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में ट्रेन की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हुए एक जंगली हाथी की इलाज के लिए भुवनेश्वर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। वन विभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह दुर्घटना बृहस्पतिवार की सुबह राउरकेला वन प्रभाग के सोनाखान और सागरा रेलवे स्टेशनों के बीच हुई। राउरकेला के अनुभागीय वन अधिकारी जशबंत सेठी ने पीटीआई- को बताया, प्रारंभिक उपचार के दौरान पता चला कि हाथी के पिछले दाहिने पैर में चोट लगी थी। हमें उम्मीद थी कि उपचार के बाद उसकी जान बच जाएगी लेकिन बृहस्पतिवार को दोपहर में इलाज के लिए भुवनेश्वर ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई। सेठी ने कहा, ऐसा लगता है कि हाथी को आंतरिक चोट लगी थी और आमतौर पर जंगली जानवरों को ऐसी घटनाओं के बाद झटका लगता है जिससे उसकी मौत हुई होगी। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद मृत हाथी को दफना दिया गया। सेठी ने कहा कि हाथी की मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चल सकेगा।

ओडिशा के पारादीप बंदरगाह में जहाज से गिरा चीनी नाविक, तलाश अभियान जारी

ओडिशा के पारादीप बंदरगाह पर एक चीनी नाविक शुक्रवार की सुबह जहाज से समुद्र में गिर गया। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि बंदरगाह के अधिकारी उसकी तलाश के लिए अभियान चला रहे हैं। पुलिस के अनुसार, ओडीआरएएफ, सीआईएसएफ, ओडिशा मरीन पुलिस और गोताखोर इस संयुक्त खोज अभियान में मदद कर रहे हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सीढ़ी लगाते समय चीनी नाविक दुर्घटनावश पानी में गिर गया। घटना उस समय हुई जब एक चीनी जहाज पारादीप इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल पर सामान उतारने के बाद रवाना होने वाला था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसे बचाने के प्रयास में एक बांग्लादेशी नाविक भी समुद्र में कूद गया, जिसे बाद में सुरक्षित बचा लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि लापता चीनी नाविक की तलाश जारी है और विभिन्न एजेंसियां मिलकर अभियान चला रही हैं।

बेटियों की शिक्षा और स्मार्ट शिक्षक से भारत बनेगा ज्ञान महाशक्ति :राष्ट्रपति मुर्मु

राष्ट्रपति मुर्मु ने शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान किया

शिक्षक दिवस

बता दें, देश के दूसरे राष्ट्रपति, एक प्रतिष्ठित दार्शनिक और शिक्षाविद, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष इस दिन शिक्षक दिवस मनाया जाता है. यह समाज में शिक्षकों के योगदान को पहचानने और उनकी सराहना करने का दिन है.

एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने आज शुक्रवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में देशभर के शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए। इस मौके पर उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को भारत के भविष्य निर्माण में सबसे अहम बताया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के जरिए भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने का आह्वान किया। अपने संबोधन में राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि भोजन, वस्त्र और आवास की तरह शिक्षा भी सम्मान और सुरक्षा के लिए जरूरी है। संवेदनशील शिक्षक बच्चों में आत्मसम्मान और सुरक्षा की भावना जगाते हैं। उन्होंने अपने शिक्षक जीवन को याद करते हुए कहा कि वह उनके जीवन का सबसे सार्थक दौर था। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा गरीब से गरीब बच्चे को भी ऊंचाइयों तक ले जा सकती है और समर्पित शिक्षक बच्चों की उड़ान को ताकत देते हैं। उनके अनुसार, शिक्षकों के लिए सबसे बड़ा पुरस्कार यह है कि छात्र जीवनभर उन्हें याद रखें और समाज व देश के लिए योगदान दें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि यह नीति कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों के विस्तार और वंचित वर्ग की लड़कियों के लिए विशेष शैक्षिक सुविधाओं पर जोर देती है। उन्होंने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे खासकर उन छात्रों और लड़कियों पर ध्यान दें जो शमीर्ली हैं या कम विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों से आती हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि एनईपी 2020 का उद्देश्य भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाना है। इसके लिए हमारे शिक्षकों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों के रूप में मान्यता मिलनी चाहिए।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने किया शिक्षकों को नमन

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंहने भीदी शिक्षकों को शुभकामनाएं

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी सभी शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने एक्स पर लिखा, शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों को बधाई। वे मार्गदर्शक प्रकाश हैं जो युवा मनों को आकार देते हैं, मूल्यों को स्थापित करते हैं और भविष्य के नेताओं को तैयार करते हैं। इस दिन, मैं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को भी श्रद्धांजलि देता हूं, जिनकी दूरदर्शिता और ज्ञान पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे।

उज्जवल भविष्य की नींव हैं टीचर : पीएम मोदी

शिक्षक दिवस पर पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं, टीचरों की प्रतिबद्धता और करुणा की सराहना की

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को शिक्षक दिवस पर सभी देशवासियों को शुभकामनाएं दीं. उन्होंने इस अवसर पर छात्रों के मन को पोषित करने के प्रति उनके समर्पण की सराहना भी की. उन्होंने कहा कि शिक्षक एक मजबूत और उज्जवल भविष्य की नींव है. इससे पहले उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की. सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि सभी को, विशेषकर सभी मेहनती शिक्षकों को, शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं! मन को पोषित करने के प्रति शिक्षकों का समर्पण एक मजबूत और उज्जवल भविष्य की नींव है. उनकी प्रतिबद्धता और करुणा उल्लेखनीय है. प्रधानमंत्री ने पोस्ट में आगे लिखा कि हम एक प्रतिष्ठित विद्वान और शिक्षक, डॉ. एस. राधाकृष्णन के जीवन और विचारों को उनकी जयंती पर याद करते हैं. वहीं, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने छात्रों को उनके सपनों को साकार करने में मदद करने वाले सभी शिक्षकों को नमन किया.

दिल्ली-एनसीआर में बाढ़, मंदिर और बाजार डूबे

राजस्थान के अजमेर में बोराज तालाब टूटा, 1000 घरों में पानी

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद विक्रमजीत सिंह साहनी ने पंजाब के बाढ़ राहत कार्यों के लिए 5 करोड़ रुपये देने का वादा किया है। इसके लिए उन्होंने सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना के तहत आवंटित राशि और अपने निजी योगदान से धन जुटाया है।

एजेंसी

नई दिल्ली , बारिश से पहाड़ी राज्यों से लेकर मैदानी इलाकों तक तबाही आ गई है। दिल्ली-एनसीआर में लगातार बारिश के कारण यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इससे कई इलाकों में बाढ़ आ गई है। नोएडा में सेक्टर-135 और सेक्टर-151 डूब गए हैं। कई इलाके में 3 से 4 फीट पानी भरा है हरियाणा के पंचकूला, हिसार, रोहतक और झज्जर में सभी स्कूल बंद हैं। फतेहाबाद, कुरुक्षेत्र, यमुनानगर और फरीदाबाद में भी कुछ स्कूल बंद कर दिए गए हैं। गुरुग्राम की सिग्नेचर ग्लोबल सलोरा सोसाइटी में गुरुवार को पानी भर गया। इससे महिलाएं और बच्चे घरों में कैद हो गए। राजस्थान के अजमेर में गुरुवार रात भारी बारिश के बाद बोराज तालाब की दीवार ढह गई। इससे 1 हजार से ज्यादा घरों में अचानक सैलाब आ गया। लोगों ने छतों पर जाकर जान बचाई। पानी का बहाव इतना तेज था कि कई गाड़ियां बह गईं। मकान क्षतिग्रस्त हो गए। देर रात तक लोगों को निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चला। पंजाब में बाढ़ में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 43 हो गई। राज्य के 23 जिलों के 1,655 गांवों में 3.55 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर जमीन पर लगी फसलें बर्बाद हो गई हैं। राज्य में अगले 5 दिन बारिश का कोई अलर्ट नहीं है। इससे बाढ़ से राहत मिल सकती है। कश्मीर का देश के बाकी हिस्सों से संपर्क कटा कश्मीर में गुरुवार को बारिश और लैंडस्लाइड के कारण जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे सहित सभी सड़कें बह गईं या टूट गईं।

मृतकों की संख्या 43 से ज्यादा हुई

पंजाब में जारी बाढ़ आपदा ने 14 ज़िलों में अब तक 43 लोगों की जान ले ली है, जबकि पठानकोट में तीन लोग लापता हैं। 1.71 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर खड़ी फसलें नष्ट हो गई हैं, जिससे राज्य की कृषि अर्थव्यवस्था तबाह हो गई है। बाढ़ ने 23 ज़िलों के 1,902 गाँवों को जलमग्न कर दिया है, जिससे 3.84 लाख से ज्यादा निवासी प्रभावित हुए हैं। आपदा मोचन बलों और स्थानीय प्रशासन ने लगभग 21,000 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया है।

भाखड़ा और पौंग बांधों में बढ़ते जलस्तर से खतरे की घंटी

पंजाब में प्रशासन हाई अलर्ट पर है क्योंकि भाखड़ा बांध का जलस्तर 1,679 फीट तक पहुँच गया है, जो इसकी अधिकतम क्षमता से केवल एक फीट कम है। पानी का प्रवाह बढ़ने के साथ, रूपनगर प्रशासन ने सतलुज नदी के आसपास के निवासियों को अलर्ट जारी किया है और तुरंत सुरक्षित क्षेत्रों और राहत शिविरों में जाने का आग्रह किया है। पौंग बांध भी अपनी क्षमता से अधिक हो गया है, जहाँ जलप्रवाह 1.32 लाख क्यूसेक तक पहुँच गया है।

ढुष्टों का संहार करके ही सुरक्षित रह सकता है राष्ट्र : सीएम योगी

दुर्गति की ओर ले जाती है किसी भी राष्ट्र के भीतर की अराजकता : सीएम योगी

एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नागरिकों के संरक्षण और दुष्टों का संहार करके ही कोई राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है।सुरक्षा के माहौल में ही स्मृद्धि के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।सीएम योगी शुक्रवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों पर आयोजित संगोष्ठी श्रृंखला के पहले दिन भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) अनिल चौहान का अभिनंदन करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्य चाणक्य के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि, कोई राष्ट्र वा रूप से सुरक्षित हो और आंतिरक रूप से सुरक्षित न हो तो उसे अराजक राष्ट्र माना जाता है।

- युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 56वीं और राष्ट्र संत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 11वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में हो रहा आयोजन
- भारत के समक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियां विषयक संगोष्ठी में बतौर अध्यक्षता बोले मुख्यमंत्री

भारत मां के प्रति दुस्साहस बर्दाश्त नहीं

मुख्यमंत्री ने कहा कि वैदिककाल से ही भारत में यह शिक्षा दी गई है कि धरती हमारी माता है। कोई भी सुयोग्य पुत्र मां के साथ अराजकता बर्दाश्त नहीं कर सकता। भारत मां की आन, बान, शान के प्रति किसी ने दुस्साहस किया तो उसके खिलाफ हर भारतीय खड़ा होगा। सीएम योगी ने रामायणकाल में उपद्रवियों के नाश के लिए प्रभु श्रीराम के निसिचर हीन करहुं महिह्न संकल्प को रामराज की आधारशिला बताया। इसी परिप्रेक्ष्य में उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम्के उद्घोष को संदर्भित करते हुए कहा कि नागरिकों का संरक्षण और दुष्टों का संहार राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपरिहार्य है।

उमर ने बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर आवश्यक निर्देश दिए

बाढ़ के बाद के परिदृश्य पर यहां आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बिजली, पानी की आपूर्ति और सड़क संपर्क सहित आवश्यक सेवाओं की शीघ्र बहाली के भी निर्देश दिए।

एजेंसी

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घाटी में बाढ़ की स्थिति के मद्देनजर संवेदनशील स्थानों में मजबूत व्यवस्था करने, जलमग्न गांवों से लोगों को निकालने तथा चौबीसों घंटे निगरानी करने के शुक्रवार को निर्देश दिए। बाढ़ के बाद के परिदृश्य पर यहां आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बिजली, पानी की आपूर्ति और सड़क संपर्क सहित आवश्यक सेवाओं की शीघ्र बहाली के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मुख्यमंत्री ने आज सुबह बाढ़ के बाद की स्थिति पर एक बैठक की अध्यक्षता की और संवेदनशील स्थानों में व्यवस्था को मजबूत करने, जलमग्न गांवों से लोगों को निकालने, नियंत्रण कक्षों के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी करने, प्रभावित क्षेत्रों का लगातार दौरा करने और समय पर सलाह जारी कर निवासियों से सतर्क रहने, न घबराने और प्रशासन के साथ सहयोग करने का आग्रह करने के निर्देश दिए।

चीन पर सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा बयान

जनरल चौहान ने क्षेत्रीय अस्थिरता को भी चिंता का विषय बताया और कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देश सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक अशांति का सामना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक और चुनौती यह है कि युद्ध के क्षेत्र बदल गए हैं - अब इसमें साइबर और अंतरिक्ष भी शामिल हैं। जनरल चौहान ने कहा कि हमारे दोनों प्रतिद्वंद्वी परमाणु शक्ति संपन्न हैं, और यह तय करना हमेशा एक चुनौती बना रहेगा कि हम उनके खिलाफ किस तरह के अभियान चलाना चाहते हैं।

एजेंसी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को चीन को भारत के लिए 'सबसे बड़ी चुनौती' बताया और कहा कि यह आगे भी बनी रहेगी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए यह बात कही। सीडीएस ने पाकिस्तान द्वारा छेड़े जा रहे छद्म युद्ध को भारत के लिए 'दूसरी बड़ी चुनौती' बताया और कहा कि किसी भी देश के सामने चुनौतियाँ क्षणिक नहीं होतीं, बल्कि विभिन्न रूपों में मौजूद होती हैं। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि चीन के साथ सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती है और आगे भी बनी रहेगी। दूसरी बड़ी चुनौती भारत के खिलाफ पाकिस्तान का छद्म युद्ध है, जिसकी रणनीति 'भारत को हजार जख्मों से लहूलुहान करने' की है। जनरल चौहान ने क्षेत्रीय अस्थिरता को भी चिंता का विषय बताया और कहा कि भारत के सभी पड़ोसी देश सामाजिक, राजनीतिक या आर्थिक अशांति का सामना कर रहे हैं।

सीमा विवाद भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती

जोधपुर में आरएसएस की 3 दिवसीय राष्ट्रीय समन्वय बैठक शुरू

संघ प्रमुख मोहन भागवत मौजूद

कुल मिलाकर 320 कार्यकर्ता बैठक में भाग लेंगे। बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री और सीनियर नेता भी शामिल होंगे। बैठक में देश के विभिन्न क्षेत्रों विशेषकर पंजाब, बंगाल, असम और पूर्वोत्तर के जनजातीय क्षेत्रों की सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों पर भी चर्चा होगी। संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों पर भी बात की जाएगी। इस बैठक में कोई फैसले नहीं लिए जाते, ना ही कोई प्रस्ताव पास होता है।

एजेंसी

जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं संघ प्रेरित संगठनों के अखिल भारतीय पदाधिकारियों की तीन दिवसीय बैठक आरंभ हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बैठक में शिरकत की। इस बैठक में 32 संगठनों के अखिल भारतीय पदाधिकारी भाग ले रहे हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि समन्वय बैठक 5 से 7 सितंबर तक होगी। बैठक में एबीवीपी, भारतीय किसान संघ, भारतीय मजदूर संघ, विद्या भारती सहित संघ प्रेरित 32 संगठनों के पदाधिकारी और महिला कामों का समन्वय देखने वाली कार्यकर्ता शामिल होंगी। कुल मिलाकर 320 कार्यकर्ता बैठक में भाग लेंगे। बैठक में बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री और सीनियर नेता भी शामिल होंगे।

महमूद मदनी का दावा, पहलगाम आतंकी साजिश को नागरिक समाज ने रोका, वरना फैल जाती अराजकता

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने पहलगाम आतंकी साजिश को विफल करने का श्रेय देश के नागरिक समाज को दिया। उन्होंने कहा कि नागरिक समाज ने इस हमले के पीछे समुदायों में फूट डालने की साजिश को समझा और उसे नाकाम कर दिया, जो भारत की एकता और सहिष्णुता का प्रतीक है।

एजेंसी

पहलगाम आतंकी हमले की साजिश को नाकाम करने का श्रेय देश के नागरिक समाज को देते हुए, जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने शुक्रवार को कहा कि अगर यह घटना किसी और देश में होती, तो बहुत अराजकता फैल जाती। एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में, मदनी ने कहा कि देश का नागरिक समाज पहलगाम आतंकी हमले के पीछे की साजिश को समझता है, जिसका उद्देश्य देश में समुदायों के बीच फूट डालना था। उन्होंने इसे ऑपरेशन सिंदूर से भी बड़ी उपलब्धि माना।

तंज | हर किसी का अपना हुनर है, श्रीकृष्ण भी नाचते थे

तेजस्वी के डांस पर बड़े भाई तेज प्रताप का सियासी तंज

एजेंसी

नयी दिल्ली। इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पूर्वी राज्य बिहार में चल रही सियासत के बीच, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव विपक्ष की मतदाता अधिकार यात्रा के समापन के एक दिन बाद, पटना के मरीन ड्राइव एक्सप्रेसवे पर लड़कों के साथ नाचते नजर आए। यह वीडियो उनकी बहन रोहिणी आचार्य ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और वायरल हो गया। तेजस्वी खुशी-खुशी ग्रुप में शामिल हो गईं और उन्होंने कुछ ट्रेंडिंग डांस स्टेप्स सीख लिए और यहां तक कि बॉलीवुड अभिनेता और शीर्ष डांसर ऋतिक रोशन के सिग्नेचर स्टेप्स की नकल करने की भी कोशिश की। हालांकि, इसको लेकर सियासत तेज हो गई है।

तेजस्वी यादव के बड़े भाई तेज प्रताप यादन ने भी उनपर तंज कसा है। बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने तेजस्वी यादव के नाचते हुए वायरल वीडियो पर कहा कि अगर वह नाच रहे हैं तो मैं क्या कर सकता हूं? अगर वह नाचना चाहते हैं, तो वह नाचेंगे। उन्हें कौन रोक सकता है? कई बार ऐसा होता है जब मैं बांसुरी बजाता हूं। हर किसी का अपना कौशल होता है... युवा नृत्य करने के लिए प्रेरित होंगे। श्री कृष्ण भी नाचते थे। वीडियो में तेजस्वी यादव को एक समर्पित प्रशिक्षु की तरह युवा लड़कों से ट्रेंडी डांस स्टेप्स सीखते हुए देखा जा सकता है, जो उन्हें युवा पीढ़ी का एक सच्चा नेता बनाता है। वीडियो शेयर करते हुए, यादव ने लिखा, ₹16 दिवसीय मतदाता अधिकार यात्रा कल गर्मी, बारिश और उमस के बीच संपन्न हुई। रात में, सिंगापुर से मेरे भतीजे ने सुझाव दिया कि हम ड्राइव पर चलें। रास्ते में, हमें कुछ युवा कलाकार मित्र मिले जो गा रहे थे और रील बना रहे थे। उन्होंने हमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया, इसलिए हमने कोशिश की। हम सब मिलकर, युवाओं की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं, सपनों और आशाओं के साथ तालमेल बिठाते हुए, जाति और धर्म से ऊपर उठकर, सद्भाव, सरलता और सहजता से काम करेंगे और सरकार में बदलाव के माध्यम से एक नया बिहार बनाने का संकल्प लेंगे।

वहीं, हाल ही में वायरल हुए एक वीडियो पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी जिसमें आरजेडी नेता और उनके भाई तेजस्वी यादव डांस करते नजर आए थे. तेज प्रताप ने कहा कि वह अगर डांस करना चाहते हैं तो करें. कौन रोक सकता है कई बार मैं भी बांसुरी बजाता हूं. हर किसी की अपनी कला होती है. युवा प्रेरणा लेकर डांस करेंगे.

"बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले तेजस्वी यादव के डांस वीडियो पर तेज प्रताप यादव ने तंज कसते हुए कहा कि हर किसी का अपना हुनर होता है और अगर वह नाचना चाहते हैं तो उन्हें कोई नहीं रोक सकता, यहां तक कि श्री कृष्ण भी नृत्य करते थे। इस घटना ने राजद परिवार के भीतर की आंतरिक खींचतान और सार्वजनिक बयानों की राजनीति को उजागर किया है।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने अपने समर्थकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लेने का बचाव किया

उपमुख्यमंत्री ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसानों, और न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन करने वालों के खिलाफ दर्ज कई मामले वापस ले लिए गए हैं।

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अपने समर्थकों के खिलाफ राज्य सरकार द्वारा कई आपराधिक मामलों को वापस लेने के फैसले का बचाव किया है। वर्ष 2019 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा शिवकुमार की गिरफ्तारी के बाद उनके समर्थकों के खिलाफ पथराव का मामला दर्ज किया गया था। शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अलावा विभिन्न संगठनों के सदस्यों से जुड़े मामले वापसलिए हैं। कर्नाटक के मंत्रिमंडल ने राज्य के विभिन्न पुलिस थानों में दर्ज 60 मामलों को वापस लेने के प्रस्ताव को बृहस्पतिवार को मंजूरी दे दी। वापस लिए गए मामलों में चित्तपुर में 2019 में हुई पथराव की घटना और शिवकुमार के कथित समर्थकों के खिलाफ मामले शामिल हैं। यह मामले ईडी द्वारा शिवकुमार की गिरफ्तारी के बाद हुए विरोध प्रदर्शनों से जुड़े हैं शिवकुमार ने सवाल किया, कई मामले वापस लिए गए हैं, हमने भाजपा के लोगों, कांग्रेस के लोगों के खिलाफ मामले वापस लिए हैं। जब मुझे ईडी ने गिरफ्तार किया तो भाजपा ने जानबूझकर हमारे कार्यकर्ताओं के खिलाफ कुछ मामले दर्ज किए। इससे पहले कोविड-19 महामारी के दौरान तत्कालीन भाजपा सरकार ने मेरे और मौजूदा मुख्यमंत्री सिद्धरमैया तथा हमारे कई नेताओंके खिलाफ मामले दर्ज किए थे।

सम्पादकीय

रोका जाए धार्मिक स्वतंत्रता का दुरुपयोग, यह अक्सर विवाद और टकराव का रूप ले लेता है

संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार इस प्रकार दिया गया है कि भारत का पंथनिरपेक्ष चरित्र मजबूत रहे और इन अधिकारों के किसी भी दुरुपयोग की स्थिति में राज्य सांप्रदायिक ताकतों को नियंत्रित कर सके। हमें यह देखना ही होगा कि मतांतरण में संलग्न ताकतें देश के पंथनिरपेक्ष चरित्र में छेड़छाड़ न करने पाएं। उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा के अगले सत्र में पेश किए जाने वाले धार्मिक स्वतंत्रता (संशोधन) विधेयक 2025 को मंजूरी दे दी है। इस विधेयक में प्रविधान है कि नौकरी, धन या अन्य उपहारों का लालच देकर किसी व्यक्ति का मतांतरण करने के प्रयास को जबरन पंथ परिवर्तन माना जाएगा। धार्मिक स्वतंत्रता व्यक्ति के जीवन का अभिन्न अंग है, क्योंकि इसमें अंतःकरण की स्वतंत्रता भी शामिल है। अंतःकरण व्यक्ति के ज्ञान, अंतर्ज्ञान और तर्कशक्ति का मिश्रण है, जो उसे किसी मत-मजहब के सिद्धांतों को समझने और उसके अनुसार कार्य करने के लिए प्रेरित करता है। कई बार हम आस्था में परिवर्तन को भी एक अधिकार मान लेते हैं। इसलिए जब भी राज्य उपासना पद्धति की स्वतंत्रता के अधिकार की सीमा निर्धारित करने या मत परिवर्तन रोकने का प्रविधान करता है तो कुछ लोग इसे अपने मौलिक अधिकार का उल्लंघन करार देते हैं। यह अक्सर विवाद और टकराव का रूप ले लेता है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश और तमिलनाडु सहित करीब दस राज्यों में ऐसे कानून लागू हैं। उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश ने भी मत परिवर्तन निषेध कानून बनाए हैं। कई और राज्य भी इस दिशा में पहल कर रहे हैं। मतांतरण के विरुद्ध राजस्थान सरकार ने भी ऐसा एक विधेयक प्रस्तुत किया है। इन सभी कानूनों में एक बात समान है कि विवाह के लिए मतांतरण को संज्ञेय और दंडनीय अपराध घोषित किया गया है। हालांकि आलोचकों का कहना है कि ऐसे कानून धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के विरुद्ध हैं। इसलिए इन अधिकारों के संवैधानिक पहलुओं को समझना जरूरी है। इसलिए और भी, क्योंकि छल-छद्म से मतांतरण के मामले सामने आते ही रहते हैं। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में कथित छांगुर बाबा की ओर से कराए जाने वाले मतांतरण अभियान का षड्यंत्र आंखें खोलने वाला है। संविधान में अनुच्छेद 25-28 के अंतर्गत प्रत्येक व्यक्ति को समान रूप से धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया गया है। एक ओर ये अधिकार समानता के सिद्धांत पर आधारित हैं, वहीं दूसरी ओर इनका सार धार्मिक सहिष्णुता है। यही भारत में पंथनिरपेक्षता का आधार भी है। इसीलिए संविधान (42वां संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा उद्देशिका में पंथनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने के बाद इसे परिभाषित करने की आवश्यकता नहीं रही।

आज का विचार

"सपने वो नहीं जो हम नींद में देखते है,
सपने वह है जो हमको नींद नहीं आने देते।"

भारत संवाद

राशिफल

मेष राशिः आपका ज्यादा समय सेवा तथा पुण्य के कार्यों में व्यतीत हो सकता है। इनमें आप धन खर्च करना भी पसंद करेंगे। कार्यक्षेत्र में प्रतिद्वंद्वी के चलते आपका मन परेशान रह सकता है। ऐसे में कोई भी फैसला सोच-समझकर लेना बेहतर होगा। जल्दबाजी या क्रोध से नुकसान हो सकता है।

वृषभ राशि : राजनीतिक क्षेत्र में प्रतिद्वंदी आपसे आगे निकलने का प्रयास कर सकते हैं। लेकिन सोच-समझकर फैसले लेने से आप स्थिति को संभाल सकते हैं। इससे धीरे-धीरे सफलता के मार्ग आगे बढ़ते जाएंगे। लेकिन इस समय आपको कोई भी नया काम शुरू करने से बचना चाहिए।

मिथुन राशिः आपका दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी और कामकाज की स्थिति अच्छी बनी रहेगी। बौद्धिक और व्यावसायिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सफलता प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि : कार्यक्षेत्र में आपके द्वारा लिए गए निर्णय लाभ दिलाने वाले रहेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा और शुभ कार्यों में आपकी रुचि बढ़ सकती है। व्यापार के मामले में संपर्क बढ़ने से आपको लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। ऐसे में तनाव भी कम होगा।

सिंह राशि : आपका दिन उत्तम रहने वाला है और हर स्थान पर आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। कार्यस्थल पर विरोधियों द्वारा आपके लिए बनाई गई योजनाएं असफल रहेंगी। वहीं, सांसारिक सुख के साधनों में भी वृद्धि हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

कन्या राशि : दिन थोड़ा चुनौतियों से भरा हो सकता है। आपको कार्यक्षेत्र में एक साथ कई जिम्मेदारियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके चलते आपका मन परेशान रहेगा और मानसिक तनाव भी बढ़ सकता है।

तुला राशिः नौकरी करने वालों को कार्यस्थल पर ज्यादा मेहनत और प्रयास करने होंगे। लेकिन अधिक श्रम करने के भा आय कम रहने पर मन उदास रहेगा। वहीं, आर्थिक मामलों में भी आपको ज्यादा खर्चे करने पड़ सकते हैं। ऐसे में बजट बनाना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशिः आपका दिन चुनौतियों से भरा हो सकता है। लेकिन व्यवसाय के मामले में कोई प्रोजेक्ट या सौदा आपके पक्ष में आ सकता है, जिससे थोड़ा सुकून महसूस होगा। कार्यक्षेत्र में आपको आपको अपनी योजना और बातें दूसरों को अच्छी तरह समझाने होंगे।

धनु राशि : सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों का दिन अच्छा रहने वाला है और आप सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ेंगे। समाज में मान-सम्मान में बढ़ेगा और सेहत भी दुरुस्त रहेगी। आर्थिक मामलों में धन-धान्य में वृद्धि होने के शुभ संयोग बने हुए हैं।

मकर राशि : समाज में आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति भी अच्छी बनी रहेगी। आपकी मुलाकात किसी भले व्यक्ति से हो सकती है, जिसके चलते मन प्रसन्न रहेगा।

कुंभ राशि : आपको कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों से अच्छा लाभ प्राप्त होगा और सभी जरूरी काम समय पर पूरे हो जाएंगे। आर्थिक मामलों में भी समय अनुकूल रहेगा और आपको कहीं से धन लाभ हो सकता है। व्यापार के मामले में किसी मां समान महिला के सहयोग से आपको उन्नति पाने के विशेष अवसर मिलेंगे। लेकिन परिवार में भाइयों से किसी भी बात को लेकर बहस करने से बचना होगा।

मीन राशि : नौकरी करने वालों के लिए दिन बेहतरीन रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपके सभी जरूरी काम समय पर पूरे होंगे और विरोधी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। वहीं, आपके लिए आय के नए स्रोत सामने आते जाएंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। हर क्षेत्र में भाग्य का पूरा साथ मिलेगा और व्यवसाय के मामले में निवेश करने से आपको अच्छा मुनाफा प्राप्त हो सकता है।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

समय के अनुरूप जीएसटी में सुधार, विकास को मिलेगी नई गति

जीएसटी प्रणाली की लंबे समय तक इसलिए आलोचना की गई कि उसमें राष्ट्रीय स्तर के उचित अपीलीय तंत्र का अभाव है। उद्यमों को अक्सर राज्यों के बीच असंगत निर्णयों का सामना करना पड़ा जिसने अनिश्चितता को बढ़ाया। इस कड़ी में 2025 के अंत तक जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण यानी जीएसटैट को अमल में लाने का निर्णय महत्वपूर्ण है।

पा सुधारों को अक्सर इस तरह प्रस्तुत किया जाता है मानो इनसे हर किसी को लाभ पहुंचता है। वास्तविकता में सुधारों के भी दो पहलू होते हैं। इसमें भी किसी को लाभ होता और किसी को नहीं। सुधार इतना जरूर करते हैं कि विभिन्न क्षेत्रों और लोगों पर बोझ की दिशा बदल देते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि क्या सुधारों के नाम पर की जाने वाली पहल अर्थव्यवस्था को एक मजबूत, अधिक टिकाऊ विकास पथ पर ले जाती है। हाल में 56वीं जीएसटी परिषद की बैठक में वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी के मोर्चे पर किए गए सुधार इसी गतिशीलता को दर्शाते हैं। इसके जरिये कर संरचना को सरल बनाकर, लोगों पर बोझ घटाकर, उत्पादकों के लिए विसंगतियों को दुरुस्त कर और विवाद समाधान प्रणाली को मजबूत कर परिषद ने जीएसटी को भ्रम और अनुपालन की जटिलता के जाले से बाहर निकालकर विकासोन्मुख ढांचे की ओर नए सिरे से उन्मुख किया है। इन सुधारों का सशक्त पहलू यह है कि इसमें मध्यमवर्गीय उपभोक्ता विजेता के रूप में उभरता दिखता है। सबसे स्पष्ट परिवर्तन चार स्तरों वाले जीएसटी ढांचे से एक सरल और नागरिक हितैषी प्रणाली की ओर बढ़ना है, जिसमें केवल दो मुख्य स्लैब हैं। मेरिट वस्तुओं के लिए पांच प्रतिशत और मानक स्लैब के रूप में 18 प्रतिशत। जबकि 40 प्रतिशत की विशेष स्लैब केवल विलासिता और हानिकारक वस्तुओं जैसे कि सट्टेबाजी और कैसिनो, बड़े वाहनों और कुछ गैर-अल्कोहलिक पेय पदार्थों के लिए नियत की गई है।

पुराने सिस्टम के तहत शब्दों में छोटा सा अंतर बड़ी विसंगति की वजह बनता रहा है। जैसे क्या पराठा रोटी के समान था? पनीर को छूट और चीज पर टैक्स? ये अस्पष्टताएं वर्गीकरण विवाद, मुकदमेबाजी और प्रशासनिक बैकलाग की स्थिति को निर्मित करती रहीं। इसके चलते तमाम छोटे उद्यमों के लिए अनुपालन के मोर्चे पर अधिक समय, ऊर्जा और संसाधन खर्च करने पड़ते। स्वाभाविक रूप से इसका उत्पादन पर असर पड़ता। अब चार स्लैब वाली व्यवस्था को दो श्रेणियों में सिमेटकर परिषद ने विवादों की गुंजाइश को घटाते हुए कर प्रणाली में अनिश्चितताओं को दूर करते हुए उसे अधिक पूर्वानुमानित बना दिया है। इस सुधार से लोगों को सीधी राहत भी मिलने वाली है। दूध, पनीर और ब्रेड अब जीएसटी से मुक्त हो गए हैं। जबकि साबुन, शैंपू, टूथपेस्ट, साइकिल और रोजमर्रा उपभोग में आने वाली कई वस्तुएं जो पहले 12 या 18 प्रतिशत की श्रेणी में आती थीं, उन पर दर घटाकर 5 प्रतिशत कर दी गई है। इससे घरेलू बजट का संतुलन और बेहतर होगा। एसी, टीवी, बाइक से लेकर छोटी कारों समेत कई वस्तुओं पर दर को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करना भी लाभ पहुंचाने वाला सिद्ध होगा। जीएसटी सुधार के पीछे मंशा एकदम स्पष्ट है कि लोगों के पास अधिक से अधिक पैसा रहे, जो खर्च होकर आर्थिकी को गति प्रदान करे। जहां निजी उपभोग की जीडीपी में करीब 60 प्रतिशत की हिस्सेदारी है, वहां यह पहल मांग को तात्कालिक रूप से बढ़ाने का काम करेगी। स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी इस सुधार से घटेगा। पहली बार जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा को कर मुक्त कर दिया गया है। कई जीवनरक्षक दवाएं भी कर मुक्त हो गई हैं, जबकि स्वास्थ्य परीक्षण से जुड़े उपकरणों पर भी टैक्स घटा दिया गया है। यहां मुद्दा केवल कल्याण का नहीं, बल्कि विकास का भी है। किफायती स्वास्थ्य देखभाल और व्यापक बीमा कवरेज लोगों को चिकित्सा खर्च के झटकों से बचाने का काम करते हैं। इससे अन्य खर्चों के लिए संसाधन बचेंगे। साथ ही, स्वस्थ और अधिक सुरक्षित कार्यबल बनाकर उत्पादकता में सुधार की संभावनाएं भी बढ़ती हैं। इनवर्टेड ड्यूटी स्ट्रक्चर के जरिये भी उत्पादकता बढ़ाने का प्रयास किया गया है। यह स्थिति तब बनती है जब इनपुट पर तैयार उत्पादों की तुलना में अधिक कर लगता है। यह उद्यमों के लिए अनुपयोगी क्रेडिट जमा करने, तरलता पर दबाव डालने और प्रतिस्पर्धा गंवाने का कारण बनता है। कपड़ा क्षेत्र इस समस्या से बहुत प्रभावित था, जहां मानव निर्मित फाइबर पर 18 प्रतिशत, यार्न पर 12 प्रतिशत और तैयार कपड़े पर पांच प्रतिशत कर था। उर्वरकों को भी ऐसी विसंगतियों का सामना करना पड़ा, जिसमें कच्चे माल पर 18 प्रतिशत, लेकिन अंतिम उत्पादों पर पांच प्रतिशत कर लागू था। अब इन विसंगतियों को सुधारा गया है। ट्रैक्टर और कृषि मशीनरी पर कर की दर को 12 से पांच प्रतिशत तक कम किया गया है, जिससे किसानों के लिए लागत घटेगी। नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों पांच प्रतिशत कर लगने से स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में कदमों को और मजबूती मिलेगी। एक महत्वपूर्ण सुधार संस्थागत स्तर पर भी है। जीएसटी प्रणाली की लंबे समय तक इसलिए आलोचना की गई कि उसमें राष्ट्रीय स्तर के उचित अपीलीय तंत्र का अभाव है। उद्यमों को अक्सर राज्यों के बीच असंगत निर्णयों का सामना करना पड़ा, जिसने अनिश्चितता को बढ़ाया। इस कड़ी में 2025 के अंत तक जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण यानी जीएसटैट को अमल में लाने का निर्णय महत्वपूर्ण है। न्यायाधिकरण सितंबर से अपीलें स्वीकार करेगा और दिसंबर तक सुनवाई शुरू करेगा। जबकि बैकलाग यानी लंबित अपीलों के लिए जून 2026 की समयसीमा होगी। प्रिंसिपल बेंच भी अग्रिम निर्णयों के लिए राष्ट्रीय अपीलीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगी, जिससे न्यायालयों के बीच स्थिरता बनेगी। यह संस्थागत सुधार विकास के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूर्वानुमानित विवाद समाधान निवेश जोखिम घटाता है। कंपनियां अधिक निवेश और विस्तार करने के लिए तभी तैयार होती हैं, जब उन्हें पता होता है कि असहमतियों एवं विसंगतियों का तत्परता के साथ निरंतर समाधान संभव होगा। जीएसटी को तार्किक बनाना समय की आवश्यकता थी, क्योंकि इसकी जटिलताएं विवादों को बढ़ाकर विकृतियों को जन्म दे रही थीं, जिससे प्रतिस्पर्धा प्रभावित हो रही थी। इसके समग्र परिणाम उत्पादकों एवं उपभोक्ताओं की मुसीबतें बढ़ा रहे थे। वास्तव में 2017 में अपनी शुरूआत के साथ जीएसटी ने जहां पूरे देश के बाजार को एकीकृत करने का काम किया तो 2025 का सुधार इसे विकास की गति बढ़ाने वाली परिपक्व प्रणाली के रूप में स्थापित करता है।

मोदी की रेंगती विदेश नीति

प्रधानमंत्री मोदी हमेशा की तरह विदेश दौरे पर हैं। पहले वे जापान गए और फिर चीन। बताया जा रहा है कि जापान और चीन में प्रवासी भारतीयों ने उल्हास के साथ उनका स्वागत किया। उन्होंने जिंदाबाद आदि के नारे लगाए। मौजूदा हालात में मोदी का भारत में रहना मुश्किल हो गया है। पिछले कुछ दिनों में उनकी प्रतिष्ठा और बची-खुची विश्वसनीयता पर ग्रहण लग गया है। लोकतंत्र को रौंदकर मोदी को भारत की सत्ता मिली है। उन्होंने चुनाव आयोग के साथ सांठ-गांठ करके चुनाव जीता। उन्होंने वोट चुराए। राहुल गांधी ने बवंडर मचाया कि मोदी लोगों को धोखा देकर प्रधानमंत्री बने हैं। जाहिर है, यह बात विदेशों तक भी पहुंची होगी इसलिए विदेशों में मोदी के डंके बज रहे हैं, यह तस्वीर भ्रामक है। जो प्रवासी भारतीय विदेशों में मोदी की जय-जयकार कर रहे हैं, उन्हें भारत के हालात और जनभावना का जरा भी अंदाजा नहीं है। ये वे लोग हैं, जिन्हें भाजपा की विदेशी शाखा ने सिर्फ मोदी के आने की वजह से जमा करती है। अब मोदी ने जापान और चीन जाकर क्या किया? जापान से ही मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को फोन किया और रशिया-यूक्रेन युद्ध पर चर्चा की। मोदी ने खुद घोषणा की कि उन्होंने जेलेंस्की के साथ शांति, मानवता आदि पर चर्चा की तो मोदी ने आखिर क्या किया? रशिया और यूक्रेन के बीच युद्ध अभी खत्म नहीं हुआ है। जब मोदी जेलेंस्की से बात कर रहे थे, उसी दौरान रूस ने यूक्रेन के सबसे बड़े युद्धपोत पर हमला कर उसे नष्ट कर दिया। उसी वक्त, मोदी ने जेलेंस्की को धैर्य रखने की सलाह दी। शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष समाधान के लिए भारत का रुख दोहराया। मोदी को पहले यह समझ लेना चाहिए कि जेलेंस्की पुतिन के आगे झुकने को तैयार नहीं हैं और राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में रूस के आगे घुटने टेकने को तैयार नहीं हैं। यह हास्यास्पद है कि राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में व्यापारिक कारणों से पाकिस्तान के साथ युद्ध रोकनेवाले प्रधानमंत्री मोदी यूक्रेन के राष्ट्रपति को शांति पर प्रवचन दे रहे हैं। कई देश और उनके राष्ट्राध्यक्ष, जिन्हें लगता है कि पुतिन को हराना चाहिए, लेकिन ऐसा करने की हिम्मत नहीं रखते, समय-समय पर जेलेंस्की को फोन करते हैं। क्योंकि इनमें से किसी भी देश में रूसी राष्ट्रपति पुतिन को फोन करके शांति और संयम पर भाषण देने की ताकत नहीं है इसलिए मोदी का जापान में बैठकर यूक्रेन को फोन करना कोई विशेष बात नहीं है। अगर भाजपा के अंधभक्त जेलेंस्की-मोदी वार्ता की सराहना करते हैं तो यह उनकी समस्या है। भारत को इससे लेशमात्र भी फायदा नहीं है। इसे खाली दिमाग की उपज माना जा सकता है। मोदी जापान से चीन की धरती पर उतरे। मोदी शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए चीनी शहर तियानजिन में उतरे। रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी वहां आए हैं। मोदी-पुतिन मुलाकात की तस्वीरें भी जारी की गईं। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और रूस के बीच तेल व्यापार बंद करने की धमकी दी है, यानी भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है। प्रधानमंत्री मोदी और पुतिन के बीच किस मुद्दे पर बातचीत होगी? मोदी अब चीन का गुणगान करने लगे हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन का साथ मिलकर काम करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के स्थिर और मैत्रीपूर्णद्विपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए सकारात्मक हो सकते हैं। मोदी और जिनपिंग ने रविवार को बातचीत की। अगर कोई सोचता है कि चीन और भारत के बीच तनावपूर्ण संबंध सुधरेंगे और एक नई अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सूत्रपात होगा, तो यह सच नहीं है। मोदी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता लाने की बात की। आज डॉलर के मुकाबले रुपया इतना गिर गया है कि ९० रुपए पर आ गया है। यही भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति है। जापान में भारत की बुलेट ट्रेन बन रही है और मोदी ट्रंप के आयात शुल्क से लड़ने के लिए भारतीयों को स्वदेशी का मंत्र दे रहे हैं। अगर स्वदेशी से इतना मोह है, तो प्रधानमंत्री मोदी को अपने विदेशी दौरों पर करोड़ों रुपये बर्बाद करना बंद कर देना चाहिए और कुछ समय के लिए स्वदेश में ही रहना चाहिए। मोदी को लगातार विदेशी पर्यटन की लत लग गई है। इसके लिए भारत का विदेशी मुद्रा भंडार रसातल में चला गया है। इतना कुछ करने के बाद ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एक भी देश भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ। अब चीन क्या करेगा? चीन पहले ही लद्दाख और लेह की जमीन पर अवैध कब्जा कर चुका है। अरुणाचल प्रदेश में उसकी घुसपैठ जारी है और भारत के खिलाफ पाकिस्तान को मजबूत करने की उसकी खुराफातें थमी नहीं हैं। मोदी में इतनी हिम्मत नहीं कि वे चीन से कहें कि वह इसे रोके और भारत के साथ दोस्ती का नया दौर शुरू करे, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप के साये में मोदी की विदेश नीति अभी भी रेंग रही है।

बादल फटने की आफत

प्रकृति को इन दिनों क्या हुआ है, ये पता ही नहीं चल रहा है। बादल फटने की घटनाएं, जो पहले हिमालयी राज्यों तक ही सीमित थीं, अब देश के हर कोने में हो रही हैं। मराठवाड़ा और विदर्भ वैसे तो शुष्क मौसम और कम वर्षा वाले क्षेत्र हैं। हालांकि, हाल के दिनों में इन दोनों क्षेत्रों में बादल फटने से भारी नुकसान होने की घटनाएं बारंबार हो रही हैं। बादल फटने से एक-दो घंटे में या कभी-कभी आधे घंटे में ही भारी बारिश हो जाती है और कुछ ही मिनटों में सब कुछ नष्ट कर देती है। यह बारिश इतनी तेज होती है कि जिन गांवों में बादल फटते हैं, उनके आस-पास की नदियां और नाले अचानक उफान पर आ जाते हैं और आस-पास के सभी खेत-खलिहान पानी में डूब जाते हैं। नांदेड़ और लातूर जिलों ने पिछले दो दिनों से ऐसी ही भीषण बारिश का अनुभव किया है। अकेले नांदेड़ जिले में पिछले दो दिनों में ८६ मंडलों में बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। शुक्रवार सुबह ८ बजे नांदेड़ जिले के कई तालुकाओं में काले बादल छा गए। नांदेड़ के करीब मालाकोली में कुछ ही मिनटों में २८४ मि.मी. बारिश दर्ज की गई। नांदेड़ तालुका के तुप्पा, वसरणी, ??विष्णुपुरी, तरोड़ा और वाझेगांव मंडलों में भी लगभग २७० मि.मी. बारिश हुई। पिछले ही हफ्ते मुखेड़ तालुका में बादल फटने से लेंडी बांध का पानी कई गांवों में घुस गया। यही स्थिति नांदेड़ जिले परपुनः आ गई है। नांदेड़ शहर और उसके आस-पास के इलाकों में भारी बारिश के कारण विष्णुपुरी बांध लबालब भर गया है। इसके अलावा जायकवाड़ी बांध से छोड़ा गया पानी तेजी से परियोजना स्थल तक पहुंचने के कारण विष्णुपुरी बांध के ११ दरवाजे खोल दिए गए हैं। इससे गोदावरी में आई बाढ़ से किनारे की बस्तियों और नांदेड़ के आगे गोदावरी किनारे बसे गांवों पर बड़ा खतरा निर्माण हो गया है। नांदेड़ से लेकर बाभली बांध और तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है। इसके अलावा लेंडी और मानार परियोजना से फिर से पानी छोड़े जाने के कारण कंधार, लोहा और मुखेड़ तालुकाओं में भी हाहाकार मच गया है। पिछले दस दिनों में हुई बारिश के कारण नांदेड़ जिले में लाखों एकड़ खेती जलमग्न हो गई है। लातूर जिले में भी बादल फटने जैसी बारिश होने के कारण ६५ राजस्व मंडलों में अतिवृष्टि हुई है। मांजरा, तेरणा, तावरजा समेत सभी छोटी-बड़ी नदियां और नाले उफान पर आ गए और यह पानी आस-पास के खेतों में घुस गया। केवल नदी किनारे ही नहीं, बल्कि अन्य इलाकों में भी खेतों में पानी भर जाने से सोयाबीन, तुअर, मूंग, उड़द और कपास की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। बादल फटने का यह संकट मराठवाड़ा में बार-बार हो रहा है। २०२१ में भी मराठवाड़ा में लगभग ४२ जगह बादल फटने की घटनाएं हुई थीं। तब भी लाखों हेक्टेयर खेतों में खड़ी फसलें बह अथवा सड़ गई थीं। पर्यावरण में हुए बदलाव के कारण बादलों की जल संग्रहण क्षमता बढ़ गई है और वातावरण में बढ़ती आर्द्रता के कारण किसी विशेष क्षेत्र में एक ही समय में बादल फटकर भारी वर्षा होने की घटनाएं महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में लगातार हो रही हैं। मौसम विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि २०३० तक बादल फटने और भारी वर्षा का खतरा बना रहेगा। अगले पांच वर्षों में इन घटनाओं की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है इसलिए प्रशासन के साथ-साथ जनता को भी सतर्क रहना होगा। सिर्फ अगस्त महीने की बात करें तो जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में बादल फटने से ४८ लोगों की मौत हो गई। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले का धराली गांव बादल फटने से बह गया। कई घर और बहुमंजिला होटल पत्तों की तरह ढह गए। पचास से ज्यादा लोग लापता हो गए। बादल फटने की घटनाएं, जो पहले जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड जैसे हिमालय के पर्वतीय राज्यों में होती थीं, अब पूरे देश को अपनी चपेट में ले चुकी हैं।

शिक्षक दिवस पर डिप्टी सीएम ने शिक्षकों को किया सम्मानित

भारत संवाद

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश केशव प्रसाद मौर्य के हाथों आज एक वृहद कार्यक्रम में शिक्षक दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें जिला पंचायत सभागार प्रयागराज में अध्यापकों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में अन्य सैकड़ों अध्यापकों के साथ विकासखण्ड कौड़िहार के प्रभा शंकर शर्मा, कपिल कुमार पटेल व माधुरी गुप्ता को सम्मानित किया गया। वहीं दूसरी ओर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रयागराज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती रीता शिक्षामित्र प्राथमिक विद्यालय मंसूराबाद को कौड़िहार की तरफ से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विकासखण्ड के शिक्षकों ने सम्मानित किए गए अध्यापकों को बधाई दी एवं अध्यापकों में हर्ष का माहौल है।

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम में भीषण आग

शॉर्ट सर्किट से लाखों का सामान जला, दमकल की 6 गाड़ियों ने पाया काबू

भारत संवाद

प्रयागराज, सरायममरेज थाना क्षेत्र के बंदी पट्टी चौराहे पर एक इलेक्ट्रॉनिक सामान के गोदाम में आग सुलग रही थी। सुबह अचानक आग ने भीषण रूप ले लिया जिसकी लपटे मकान के बाहर निकलने लगी थी। आग लगते ही इलाके में हड़कंप मच गया और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी फैल गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को इसकी सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम से उठती ऊंची-ऊंची लपटें और धुआं दूर-दूर तक दिखाई दे रहा था। इस दौरान गोदाम में रखा लाखों रुपए का इलेक्ट्रॉनिक सामान जलकर पूरी तरह खाक हो गया। सूचना पाकर फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने का अभियान शुरू किया। दमकलकर्मी लगातार पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि उस पर काबू पाने में घंटों की मशक्कत करनी पड़ी। फिलहाल राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते दमकल की टीमें मौके पर नहीं पहुंचती, तो आग आसपास के अन्य मकानों और दुकानों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी। वहीं, गोदाम मालिक को इस घटना से भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि गोदाम और बाजारों में सुरक्षा इंतजामों को और पुख्ता किया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

लापरवाही से बच्ची की मौत

परिजन बोले–डॉक्टर की लापरवाही से गई जान, अस्पताल में किया हंगामा

भारत संवाद

प्रयागराज , एक निजी अस्पताल में बच्ची की इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है। मरीज के परिवार का आरोप है कि बुखार से बच्ची के पीड़ित होने पर उसे कौशांबी से लाकर प्रयागराज के सिविल लाइंस में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि अस्पताल में डॉक्टर के स्थान पर कंपाउंडर इलाज करते रहे। बच्ची की मौत के बाद भी उसे वेंटिलेटर पर रख कर डॉक्टर अस्पताल का बिल बढ़ाते रहे। कौशाम्बी जिले के देवखरपुर, मंझनपुर थाना क्षेत्र के दिनेश अग्रहरी ने बुखार से पीड़ित अपनी बच्ची ज्योति अग्रहरी (9 वर्ष) का इलाज के लिए रात 11 बजे प्रयागराज के चिल्ड्रन अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने बच्ची की गंभीर स्थिति को देखते हुए इलाज से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन बच्ची को सिविल लाइंस स्थित आरोग्यम अस्पताल लेकर गए, जहां उसे भर्ती किया गया।

फास्ट ट्रैक

उत्तर मध्य रेलवे की महिला एथलेटिक ने हाईजंप में प्रथम स्थान प्राप्त किया

भारत संवाद

कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में आयोजित की जा रही 90वीं इंटर रेलवे एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 में उत्तर मध्य रेलवे की कुमारी मानसी ने हाईजंप में 1.81 मीटर छलांग के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया । कुमारी मानसी उत्तर मध्य रेलवे/मुख्यालय के वाणिज्य विभाग में कनिष्ठ लिपिक के पद पर कार्यरत हैं ।कुमारी मानसी ने इससे पूर्व 89वीं सीनियर स्टेट एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025-26 में 1.82 मीटर हाईजंप के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया था एवं एवं बेंगलुरु में आयोजित 63वें ओपन नेशनल एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 2024-25 में 1.78 मीटर हाईजंप के साथ रजत पदक प्राप्त किया था ।इस एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्तर मध्य रेलवे से भाग ले रही टीम में टीम मैनेजर, श्री दिवाकर शुक्ला एवं टीमकोच, श्रीमती रागिनी गौड़ अपनी टीम की हौसला अफजाई कर रही है ।

थाना पड़री साइबर क्राइम टीम द्वारा ऑनलाइन ठगी की घटना से सम्बन्धित सम्पूर्ण धनराशि 14998/- को पीड़ित के खाते में कराया गया वापस

भारत संवाद

आवेदक पवन कुमार पुत्र हिन्चलाल निवासी देवही थाना पड़री जनपद मीरजापुर द्वारा थाना पड़री पर शिकायत सं. 33106250062204 के सन्दर्भ में शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया ।जिसपर थाना पड़री साइबर क्राइम टीम द्वारा तत्काल सम्बन्धित बैंक को मेल किया गया ।उक्त के सम्बन्ध में थाना पड़री की साइबर सेल टीम द्वारा जाँच प्रारम्भ की गयी । सोमेन बर्माह्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर के निर्देशन में अगर पुलिस अधीक्षक नगर तथा क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना पड़री की साइबर पुलिस टीम द्वारा आवेदक के बैंक खाते में कुल ? 14998/- वापस कराए गये ।खाते में पैसे वापस आने पर आवेदक द्वारा थाने पर उपस्थित होकर मीरजापुर पुलिस के पुलिस उच्चाधिकारीगण एवं साइबर क्राइम टीम थाना पड़री पुलिस टीम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया । आवेदक को साइबर जागरुकता अभियान के तहत साइबर सम्बन्धी होने वाली ऑनलाइन ठगी/धोखाधड़ी की घटना के सम्बन्ध में जागरुक किया गया ।

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 03 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर पर दिनांक 03.05.2025 को वादी अवधेश कुमार सिंह (एड- फ्लिपकार्ट-इंस्टाकार्ड सर्विसेज) द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध फ्लिपकार्ट के वेयर हाउस से मोबाइल चोरी करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।जिसके आधार पर थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-128/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना प्रभारी को0कटरा को निर्देश दिये गये ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 05.09.2025 को उप निरीक्षक चन्द्रभान सिंह, उप निरीक्षक अरविन्द नाथ शर्मा मय पुलिस टीम द्वारा घटना से संबंधित 03 नफर अभियुक्त 1. रामचन्द्र गुप्ता पुत्र जयप्रकाश गुप्ता निवासी शिवपुर थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर, 2. राकेश सोनकर पुत्र मक्खन सोनकर निवासी छोटी बसही पक्कापुल थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर व 3. मुकेश सिंह पुत्र योगेश सिंह निवासी पड़ेरी थाना कछवां जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से चोरी गयी 03 अदद मोबाइल फोन बरामद किया गया ।थाना को0कटरा पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

अनियमितताओं और बर्बर लाठीचार्ज के खिलाफ अभाविप का विरोध प्रदर्शन, प्रयागराज में निकाली गई मशाल यात्रा

भारत संवाद

प्रयागराज, श्री रामस्वरूप विश्वविद्यालय बाराबंकी में विधि पाठ्यक्रम के अवैध संचालन, प्रशासनिक अनियमितताओं और शांतिपूर्ण आंदोलन पर पुलिस द्वारा हुए बर्बर लाठीचार्ज के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रदेश स्तरीय आान पर शुक्रवार को प्रदेश के सभी जिलों में मशाल यात्राएं निकाली गईं। अभाविप, प्रयाग महानगर में यह मशाल यात्रा छात्र संघ भवन इलाहाबाद विश्वविद्यालय से बालसन चौराहे तक निकाली गई। मशाल यात्रा में सैकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं एवं विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता शामिल हुए। अभाविप महानगर मंत्री प्रतीक मिश्रा 'सूरज' ने कहा कि सरकार यदि 48 घंटे में दोषी पुलिसकर्मियों एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ कार्यवाही नहीं करती तो विद्यार्थी परिषद प्रदेशव्यापी उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। अभाविप इलाहाबाद विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष आलोक त्रिपाठी ने कहा कि रामस्वरूप विश्वविद्यालय में चल रही शैक्षणिक अनियमितताएँ शिक्षा के क्षेत्र के साथ मजाक हैं। विद्यार्थी परिषद इस लड़ाई को सड़क से सदन तक लड़ेगी और दोषियों को सजा दिलाकर रहेगी। इस दौरान विभाग संयोजक यशार्थ श्रीवास्तव ने कहा कि ज्ञान-शील-एकता के मंत्र के साथ आगे बढ़ रही विद्यार्थी परिषद को लाठी और दमन से दबाया नहीं जा सकता। सरकार को चाहिए कि तुरंत न्याय सुनिश्चित करे। इस मौके पर अमन शुक्ला, अभिनव, विदित शुक्ला, ज्ञान प्रकाश, आदित्य सेन एवं नर नारायण सिंह सहित विद्यार्थी परिषद के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

औद्योगिक प्रगति की नई दिशा: UPSIDA CEO का वाराणसी दौरा एवं IIT-BHU के साथ ऐतिहासिक एमओयू

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश के मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) प्रदेश के औद्योगिक ढांचे को मजबूत और आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहा है, जिससे राज्य को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर किया जा सके। इसी विजन के तहत उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (CEO) श्री मयूर माहेश्वरी ने वाराणसी के कारखियाँ औद्योगिक क्षेत्र का दौरा किया साथ ही औद्योगिक विकास एवं अधोसंरचना उन्नयन कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

श्रमिक सेवा केंद्र व ट्रकर्स ले-बाय पर जोर

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विशेष रूप से श्रमिक सेवा केंद्र (Shramik Seva Kendra) की स्थापना, ट्रकर्स ले-बाय के निर्माण तथा सड़क, जल, विद्युत एवं अन्य बुनियादी ढाँचे के उन्नयन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि विकास कार्यों की गति को और तेज किया जाए, ताकि प्रदेश में निवेशकों को विश्वस्तरीय सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें और औद्योगिक इकाइयों का संचालन और भी सुगम हो सके। निरीक्षण के उपरांत मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मयूर माहेश्वरी ने बनास डेयरी परिसर में औद्योगिक संगठन के प्रतिनिधियों एवं उद्यमियों के साथ संवाद भी किया। इस बैठक में औद्योगिक क्षेत्र की चुनौतियों, निवेश की संभावनाओं एवं उद्योगों को बेहतर सहयोग उपलब्ध कराने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने उद्योगपतियों को आश्वस्त किया कि UPSIDA उद्योगों की हर आवश्यकता को प्राथमिकता से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), बीएचयू वाराणसी में शिक्षक दिवस और रिसर्च एवं इनोवेशन डे का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रख्यात शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों और नीति-निमार्ताओं ने शिरकत की। कार्यक्रम में पुरस्कार वितरण, शोध उपलब्धियों का सम्मान और एक ऐतिहासिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।इस आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. जी. सतीश रेड्डी उपस्थित रहे। इसके अलावा काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुवेर्दी, आईआईटी (बीएचयू) के निदेशक प्रो. अमित पत्रा, डीन, वरिष्ठ प्रोफेसरगण एवं छात्र-छात्राएँ शामिल हुए। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री मयूर महेश्वरी (आईएएस) कार्यक्रम में गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में सम्मिलित हुए।

पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करे सरकार - संगीता पाल

शिक्षक दिवस के अवसर पर चन्द्र शेखर आजाद प्रतिमा के समक्ष रखा उपवास

भारत संवाद

प्रयागराज , डा०सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य पर शिक्षकों के हक और अधिकार को लेकर पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करने के लिए चन्द्र शेखर आजाद पार्क में प्रतिमा के समक्ष उपवास पर बैठ कर सरकार से पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग की ।संगीता पाल ने प्रेस को जारी बयान में बताया कि यदि सांसदों व विधायकों को पुरानी पेंशन व्यवस्था का लाभ मिल रहा है तो प्रदेश के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने में सरकार को दिक्कत नहीं होनी चाहिए इतना ही नहीं अन्य राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल में पुरानी पेंशन मिल रही है तथा झारखंड,हिमाचल,पंजाब की सरकारें पुरानी पेंशन योजना का लाभ अपने कर्मचारियों को देने का मन बना लिया है लेकिन उत्तर प्रदेश की योगी सरकार को पता नहीं क्या समस्या है समझ नहीं आ रहा है यदि कर्मचारियों को पुरानी पेंशन व्यवस्था देने में दिक्कत है तो खुद को पुरानी पेंशन व्यवस्था का लाभ उठा रहे हैं यदि पुरानी पेंशन व्यवस्था ठीक नहीं है तो सभी सांसदों व विधायकों को भी पुरानी पेंशन व्यवस्था को छोड़ देना चाहिए वरना प्रदेश के सभी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन व्यवस्था देने का काम करे ।

प्रयागराज मंडल में अगस्त माह में चलाया गया सघन टिकट चेकिंग अभियान

भारत संवाद

रेल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक एवं नियमबद्ध यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल द्वारा ट्रेनों एवं स्टेशनों पर विशेष सघन टिकट चेकिंग अभियान संचालित किये जाते हैं। यह अभियान वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, श्री हिमांशु शुक्ला के निर्देशन में चलाये जाते हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य बिना टिकट एवं अनियमित टिकट यात्रा पर प्रभावी नियंत्रण रखते हुए यात्रियों को वैध टिकट के साथ यात्रा के प्रति जागरूक करना रहता है। प्रयागराज मण्डल में अगस्त 2025 में चलाये गए टिकट चेकिंग अभियान के दौरान 86064 यात्रियों को प्रभारित कर रु. 5,52,43,767/- जुमार्ना वसूल किया गया ।इनमें से बिना टिकट यात्रा करने वाले 37973 यात्रियों को प्रभारित कर रु. 3,14,08,385/-, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले 45,564 यात्रियों को प्रभावित कर रु. 2,34,70,680/- एवं अनबुक्ड लगेज के लिए 2527 यात्रियों को प्रभावित कर रु. 3,64,702/- जुमार्ना वसूला गया । भारतीय रेल अधिनियम, 1989 के अंतर्गत बिना टिकट अथवा अनियमित टिकट पर यात्रा करना दंडनीय अपराध है, जिसमें जुमार्ना, कारावास अथवा दोनों का प्रावधान है । प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे अपने सभी सम्मानित यात्रियों से आग्रह करता है सदैव उचित एवं वैध टिकट लेकर ही यात्रा करें ।रेलगाड़ी एवं रेल परिसर में गन्दगी न फैलाएं, कूड़ेदांन का प्रयोग करें और रेलवे को सुरक्षित एवं अनुशासित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें।

प्रयागराज जंक्शन पर आसान टिकट वितरण के लिए लगाये गए 10 अतिरिक्त एटीवीएम

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET) 2025 को ध्यान में रखते हुए प्रयागराज जंक्शन पर आने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड की ओर बने यात्री आश्रय के गेट संख्या - 1, 2/3 एवं 04 पर 10 ATVM मशीने लगाई गई है । ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (UPSSSC) द्वारा आयोजित प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (PET) 2025 का आयोजन 6 और 7 सितंबर को किया जाएगा । रेलवे प्रशासन अभ्यर्थियों के सुविधा के लिए आसान टिकट वितरण, पेयजल, सुरक्षा एवं आवश्यकता के अनुरूप स्पेशल गाड़ियों के परिचालन की व्यवस्था की गई है।

लोकार्पण

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर मायानगरी मुंबई में हुआ लोकार्पण

द यश मंगलम शो की नई लघु फिल्म पथ प्रदर्शक में ज़िंदगी के मार्गदर्शकों की जय-जयकार

भारत संवाद

मुंबई।इंटरनेट के लोकप्रिय माध्यम यू-ट्यूब पर पिछले दिनों जारी विभिन्न लघु फिल्मों को मिली निरंतर सफलता के बाद सृजनात्मक उत्कृष्टता के एक सशक्त ब्रांड के रूप में लोकप्रिय होते जा रहे द यश मंगलम शो की नवीनतम कड़ी के रूप में लघु फिल्म पथ प्रदर्शक का लोकार्पण 5 सितम्बर, 2025 को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के अवसर पर देश की आर्थिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में किया गया।इस लघु फिल्म में शिक्षकों और जीवन के हर पड़ाव पर उचित मार्गदर्शन करने वाले सभी पथ प्रदर्शकों की जय-जयकार की गई है। एक अनूठी सृजनात्मक पहल के अंतर्गत वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई द्वारा महतपुरकर एंड मंगलम फाउंडेशन के बैनर तले नवसृजित यह अद्भुत लघु फिल्म पथ प्रदर्शक सोशल मीडिया के सबसे सशक्त प्लेटफॉर्म यू-ट्यूब पर एक सुरुचिपूर्ण चैनल द यश मंगलम शो-2025' के अंतर्गत अपलोड की गई है, जो अपने अनूठे कंटेंट और प्रस्तुतीकरण के विलक्षण अंदाज के लिए काफी लोकप्रिय है और व्यापक तौर पर सराहा जाता रहा है।इससे पहले इस लोकप्रिय शो की धरोहरः ए पोएटिक सागा, शिल्पकार, योगा रिट्रीट, सेहत के रखवाले, कारगिल विजय दिवस- ए पोएटिक सागा और मैं भारत हूँ..! जैसी प्रभावशाली कड़ियॉ यू-ट्यूब पर काफी अच्छा प्रतिसाद पा चुकी हैं।इस शो के जोशीले प्रस्तुतकर्ता यश मंगलम हैं, जो सिर्फ.15 वर्ष की आयु में ही सशक्त प्रस्तुतीकरण से अपनी दमदार शैली की बदौलत शो-बिज की दुनिया में अपना अच्छा मुकाम हासिल कर रहे हैं। इस विशेष लघु फिल्म का प्रभावशाली लेखन मुंबई के सुपरिचित गीतकार, मंच संचालक तथा मीडिया एवं जनसम्पर्क सलाहकार गजानन महतपुरकर ने किया है, जिसमें पथ प्रदर्शकों के विभिन्न पहलुओं को बखूबी पिरोया गया है।उल्लेखनीय है कि गजानन महतपुरकर द्वारा लिखी गई 9 लघु फिल्में पहले ही यू-ट्यूब पर धूम मचा चुकी हैं। इसी क्रम में अब नवीनतम लघु फिल्म पथ प्रदर्शक* के जरिये गजानन महतपुरकर की सशक्त लेखनी और सुप्रसिद्ध फिल्म निर्देशक एवं एडिटर अनुपम मंगलम के कुशल निर्देशन का कमाल यू-ट्यूब पर लोकप्रिय हो रहा है।इस लघु फिल्म के प्रोड्यूसर बॉलीवुड के जाने-माने लाइन प्रोड्यूसर दीपक भानुशाली हैं, जिन्होंने एक था टाइगर, जय हो, किक और रंगरेज जैसी चर्चित फि ल्मों में अपनी भूमिका बखूबी निभाई है।इस सशक्त, प्रभावशाली और संवेदनशील लघु फिल्म को सटीक एडिटिंग एवं कुशल निर्देशन के जरिये पर्दे पर उतारने का दायित्व बखूबी निभाया है, मुंबई के विज्ञापन एवं फिल्म जगत के भरोसेमंद निर्देशक अनुपम मंगलम ने, जिनको पिछले 25 सालों में 300 से ज्यादा विज्ञापन फिल्में बनाने का समृद्ध अनुभव प्राप्त है। इस नवसृजित लघु फिल्म का भावपूर्ण संगीत समीर पखाले ने दिया है।वीडियोग्राफी संजय वैष्णव, वी एफ एक्स संयोजन गिनीलाल सालुंके और कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग कला मंगलम द्वारा सुनिश्चित की गई है। पोस्ट प्रोडक्शन वाइब्रेशन्स मीडिया वर्क्स, मुंबई ने किया है।उल्लेखनीय है कि भारत के दूसरे राष्ट्रपति रहे डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर 5 सितम्बर को हर साल शिक्षक दिवस मनाया जाता है।इस महत्वपूर्ण अवसर पर जारी इस विशेष लघु फिल्म को सोशल मीडिया पर काफी अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और इसकी विलक्षण गुणवत्ता को बड़े पैमाने पर सराहा जा रहा है। इस लघु फिल्म की प्रमुख पंक्तियॉ कुछ इस तरह रची गई हैं :- शिक्षक जो स्वयं तपकर...अपने शिष्यों में भरते हैं....विश्वास की अनूठी शक्तिङ्क !जो अच्छाइयों की सही सीख देकर हमें दिलाते हैं बुराइयों से मुक्ति, जो स्वयं ठोकरें खाकर भी..... हमें सँभलना सिखाते हैं, जो हमारे भीतर सही- गलत की चेतना जगाते हैं, उनके आदर्श हमारे मन को थमाते हैं अनुशासन की डोर, उनकी शिक्षा हमें ले जाती है.. अज्ञानता से उजाले की ओर, शिक्षक ही बनते हैं

छावनी परिषद प्रयागराज विद्यालयों में शिक्षक दिवस का आयोजन

भारत संवाद

छावनी परिषद प्रयागराज विद्यालयों में आज शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने प्रिय शिक्षकों को पुष्पगुच्छ व शुभकामना कार्ड भेंट कर सम्मान प्रकट किया ।कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई। छात्रों द्वारा शिक्षकों के मार्गदर्शन और योगदान पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, कविताएँ, नृत्य एवं भाषण प्रस्तुत किए गए। वरिष्ठ छात्रों ने शिक्षक बनकर कक्षा संचालन किया जिससे विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता और जिम्मेदारी की भावना का विकास हुआ ।विद्यालय प्राचार्य श्री मो.अंसार ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज की आत्मा होते हैं, जो विद्यार्थियों को ज्ञान, अनुशासन और जीवन मूल्यों से परिपूर्ण बनाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय समन्वयक श्री कैप्टन ऐ. के.सिन्हा ने शिक्षकों को उनके योगदान के लिए बधाई दी और बच्चों को ईमानदारी, कड़ी मेहनत तथा अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा दी। शिक्षक दिवस का यह आयोजन न केवल छात्रों में उत्साह और कृतज्ञता की भावना भर गया, बल्कि शिक्षकों के मनोबल को भी सशक्त बनाने वाला साबित हुआ।

विदेशी नौकरी और टूर पैकेज का भरोसेमंद साथी Worldwide Tour & Travel Agencie

Worldwide Tour & Travel Agencies ने शुरू की विशेष सेवाएँ

भारत संवाद

विदेश में नौकरी, हज-उमराह यात्रा, वीजा और टूर पैकेज जैसी जरूरतों का अब एक ही भरोसेमंद समाधान उपलब्ध है। Worldwide Tour & Travel Agencies ने यात्रियों और नौकरी चाहने वालों के लिए विशेष सेवाएँ शुरू की हैं।

एजेंसी द्वारा हज-उमराह की संपूर्ण व्यवस्था, खाड़ी देशों के लिए वर्क वीजा, पढ़ाई और यात्रा से जुड़ी वीजा-इमिग्रेशन सहायता, आधिकारिक वकालत सेवा, कंस्ट्रक्शन लेबर सप्लाई, सस्ती दरों पर एयर टिकट और आकर्षक टूर पैकेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं।10 साल से अधिक अनुभव वाली यह एजेंसी अब तक 5000 से अधिक ग्राहकों का विश्वास जीत चुकी है। तेज और पारदर्शी प्रक्रिया, किफायती दरें और हर स्टेप पर व्यक्तिगत मार्गदर्शन इसकी सबसे बड़ी खासियत है।Worldwide Tour & Travel Agencies का कहना है कि दुबई और अन्य खाड़ी देशों में काम के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। निर्माण, होटल और सर्विस सेक्टर में हजारों नौकरियाँ निकल रही हैं और भारतीय युवाओं की इसमें सबसे ज्यादा रुचि देखी जा रही है।

एजेंसी ने नौकरी चाहने वालों को सलाह दी है कि वे केवल अधिकृत माध्यमों से ही आवेदन करें और फर्जी ऑफरों से सतर्क रहें।

कॉल/व्हाट्सऐप: +91-9005349992

आईआईए ने जीएसटी की दरों में कमी किये जाने पर पीएम व वित्तमंत्री का जताया आभार

सहारनपुर। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आईआईए), सहारनपुर चैप्टर की कोर ग्रुप बैठक सहारनपुर क्लब में चैप्टर चेयरमैन गौरव चोपड़ा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में सहारनपुर चैप्टर के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में जीएसटी दर की छूट के सम्बन्ध में, आईआईए पारिवारिक मिलन समारोह व मंथन,क्षेत्रीय बैठक के विषय पर विचार-विमर्श किया गया।

कोर-ग्रुप बैठक में संस्था के समस्त पदाधिकारियों ने जीएसटी दर में बड़े बदलाव किये जाने पर माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं माननीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन का संस्था के समस्त सदस्यों की ओर से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा जीएसटी की सिर्फ 3 स्लैब 5 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 40 प्रतिशत होगी। 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत के स्लैब को खत्म कर दिया गया है यह निर्णय विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई सेक्टर) को राहत पहुँचाने वाला है तथा व्यापार एवं उद्योग जगत के लिए एक ऐतिहासिक एवं सकारात्मक कदम माना गया। बैठक के अंत में चेयरमैन गौरव चोपड़ा, सचिव कुशल शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन कालड़ा ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आईआईए सदैव उद्योग जगत की आवाज को प्रबलता से उठाता रहेगा और संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। कोर ग्रुप बैठक मे पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रामजी सुनेजा, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मिगलानी, सीईसी सदस्य कृष्ण राजीव सिंघल, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर.के. धवन, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रमोद सडाना, अशोक बंजाज, संजय अरोड़ा, स. हरजीत सिंह, सुनील सैनी, अरविन्द खन्ना, प्रेम क्वात्रा, अतीश गुप्ता, राजकुमार अरोड़ा, अनुज कुमार जैन, शिवम गोयल, अविजीत सिंह छाबडा, अमित कुमार अरोड़ा, कुलदीप सिंह, मनोज जैन, तन्मय सचदेवा, अशोक पोसवाल आदि सदस्यों ने अपने-अपने विचार रखे।

फास्ट ट्रैक

थाना को0शहर पुलिस द्वारा चोरी के अभियोग से सम्बन्धित 02 नफर अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना को0शहर जनपद मीरजापुर पर वादी सूरज कुमार कसेरा पुत्र सन्तोष कुमार कसेरा निवासी जयरामगिरी का बगीचा घण्टघर थाना को0शहर जनपद मीरजापुर द्वारा अज्ञात अभियुक्तों के विरूद्ध वादी के घर में घुसकर चोरी करने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई। जिसके आधार पर थाना को0शहर पर मु0अ0सं0-174/2025 धारा 303(2),317(2),317(5) बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थाना प्रभारी को0शहर को निर्देश दिये गये। उक्त निर्देश के अनुक्रम में दिनांकः 05.09.2025 को थाना को0शहर पुलिस टीम द्वारा घटना से संबंधित 02 नफर अभियुक्त 1. रत्नलाल मल्लाह पुत्र स्व0 हितलाल निवासी गैबीघाट थाना को0शहर जनपद मीरजापुर व 2. सुमिरन दास पुत्र स्व0 हीरालाल निवासी बभनइया टोला थाना को0शहर जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से पुराना पीतल का कबाडनुमा, 03 टार्च, ताबे के तार व 5000 रुपए बरामद किया गया। थाना को0शहर पुलिस द्वारा नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना चिल्ह पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः 05.09.2025 को थाना चिल्ह पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी लालबहादुर बिन्द पुत्र जगनु बिन्द निवासी प्रजापतपुर सागरपुर थाना चिल्ह जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0देहात पुलिस द्वारा 03 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया। आज दिनांकः 05.09.2025 को थाना को0देहात पुलिस टीम द्वारा 03 नफर वारण्टी 1. अशोक कुमार पुत्र पिते निवासी जसोवर थाना को0देहात जनपद मीरजापुर, 2. हरिओम पुत्र राधेश्यमा निवासी टेढवा थाना को0देहात जनपद मीरजापुर व 3. सुरेन्द्र पुत्र राधेश्याम निवासी टेढवा थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया

थाना को0देहात साइबर क्राइम टीम द्वारा UPI के माध्यम से ऑनलाइन धोखाधड़ी घटना से सम्बन्धित धनराशि 11,999/- को पीड़िता के खाते में कराया गया वापस

भारत संवाद

आवेदिका सहरानी भारती पुत्री विश्राम भारती निवासी ग्राम पड़रा हनुमान, थाना कोतवाली देहात, जनपद मीरजापुर द्वारा दिनांकः 01.06.2025 को पोर्टल पर दर्ज कराई थी जिसमें आवेदिका द्वारा 11,999 की ऑनलाइन धोखाधड़ी होना बताया गया। सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर के निर्देशन में तथा क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना कोतवाली देहात जनपद मीरजापुर की साईबर टीम द्वारा उपरोक्त जाँच के दौरान 11,999/- के सम्बन्ध में कार्यवाही करते हुए आवेदिका सहरानी भारती के खाते में रिफण्ड कराया गया। खाते में पैसे वापस आने पर आवेदिका द्वारा थाने पर उपस्थित होकर मीरजापुर पुलिस के पुलिस उच्चाधिकारी एवं साइबर क्राइम टीम थाना कोतवाली देहात की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए धन्यवाद दिया गया।

हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

महिला कल्याण विभाग, उ0प्र0 लखनऊ के निदेशों के क्रम में जिलाधिकारी के आदेशानुसार तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में संकल्प हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन योजना के अन्तर्गत सितम्बर माह में 10 दिवसीय विशेष जागरूकता कार्यक्रम के अन्तर्गत आज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला कल्याण विभाग के संकल्प हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वूमेन के कार्मिकों द्वारा चतुर्थ दिवस की थीम यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य के अंतर्गत राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें ड्रॉप आउट किशोरियो को स्कूल जाने के लिए प्रेरित किया गया तथा उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गयी उक्त के साथ ही बालिकाओं को मानसिक धर्म के दौरान स्वास्थ्य व स्वच्छता के बारे में बताया गया व सेनेटरी पैड वितरित किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों व किशोरियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मातृ वंदन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, मुख्यमंत्री सामुहिक विवाह योजना, मुख्यमंत्री राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ, शक्ति सदन, सखी निवास, आदि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के विषय में विस्तार से बताया गया एवं हेल्प लाइन नंबर 181 सखी -वन स्टांप सेंटर की विस्तृत जानकारी दी साथ ही मिशन शक्ति के उद्देश्यों को बताते हुए घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं से संबंधित लैंगिक उत्पीड़न, दहेज प्रतिषेध अधिनियम, हेल्पलाइन नंबर 1098, वीमेन पावर नंबर 1090, पुलिस हेल्प लाइन 112, साइबर क्राइम 1930, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, एंबुलेंस सेवा 102 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय निवेशकों के हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 की मॉनिटरिंग बैठक की गई आयोजित

जनपद की उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने में रहे अहम भूमिकाः मनीष बंसल

भारत संवाद

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय निवेशकों के हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 की मॉनिटरिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन करते हुए उपायुक्त उद्योग डॉ. बनवारी लाल द्वारा उपस्थित अधिकारियों को फरवरी 2024 में संपन्न ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 4.0 के अन्तर्गत जनपद में स्थापित इकाइयों के निवेश एवं उत्पाद के सन्दर्भ में विस्तारपूर्वक बताया।साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा आगामी प्रस्तावित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के अंतर्गत जनपद में स्थापित हो रहे नवीन परियोजनाओं एवं उद्योगों को चिन्हित कर निवेश सारथी पोर्टल पर प्रोजेक्ट को पंजीकृत करवाने पर जोर देते हुए अधिकारियों से अनुरोध किया। बैठक में उपस्थित मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र श्री संतोष राठौर ने उपस्थित अधिकारियों के समक्ष इन्वेस्ट यूपी, निवेश सारथी पोर्टल, निवेश मित्र पोर्टल तथा इंटेंट फाइलिंग, एम0ओ0यू0 साइनिंग, रिपोर्टिंग एवं शिकायत/ग्रेविएंस निवारण की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हेतु एक विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत कर पोर्टल के सम्बन्ध में सभी को जागरूक कर तकनीकी समस्याओं का समाधान भी किया गया। इसके उपरांत विभिन्न विभागों के अंतर्गत चल रहे लंबित प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की गई, जो वर्तमान में विभिन्न चरणों में हैं और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी चयन हेतु लंबित हैं।बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वीकृत प्रोजेक्ट्स का अनिवार्य रूप से पंजीकरण कराया जाए, ताकि माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के वर्ष 2027 तक उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने के संकल्प को साकार किया जा सके।साथ ही उन्होंने ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 5.0 के अंतर्गत विशेष रूप से एमएसएमई, औद्योगिक विकास, कृषि, पशुपालन, चिकित्सा स्वास्थ्य, शिक्षा, फूड प्रोसेसिंग एवं उद्यान विभाग आदि विभागों एवं निवेश के संभावित क्षेत्रों को चिन्हित कर शत प्रतिशत जनपद के निवेश को निवेश सारथी पोर्टल पर दर्ज कराने के निर्देश दिए ताकि उन्हें ग्राउंड ब्रेकिंग सरेमोनी 5 में शामिल कराया जा सके। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), मुख्य चिकित्साधिकारी, आर.एम औद्योगिक विकास, बेसिक शिक्षा अधिकारी, वन विभाग, विकास प्राधिकरण, पशुपालन, आई.टी.आई, प्रदुषण, आबकारी आदि विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व हिंदू महासंघ मीटिंग कर किया संगठन का विस्तार

प्रवीन कु. शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ। विश्व हिंदू महासंघ, हरिगढ़ की मीटिंग जी.टी. रोड़ स्थित होटल रिलैक्स इन में आयोजित की गईं। जिसकी अध्यक्षता सत्यप्रकाश वरिष्ठ उपाध्यक्ष विश्व हिंदू महासंघ के द्वारा तथा संचालन टिंकू सिंह नायक महामंत्री ने किया। मीटिंग में अलीगढ़ मण्डल प्रभारी छोटे लाल की उपस्थिति में जिलाध्यक्ष सोनू कुमार सिंह ने जिला कार्यकारिणी का गठन इस प्रकार किया। जिसमें 2 महामंत्री टिंकू सिंह नायक व विकास कुमार दक्ष को बनाया गया सत्यप्रकाश को वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं नरेश सिंह, राजीव मित्तल, वीकेश कुमार, बबलू प्रसाद, अरूण कुमार चौहान, यतेन्द्र कुमार तौमर, विजय कुमार शर्मा, प्रेमबाबू राजपूत, भूपेन्द्र प्रताप सिंह को उपाध्यक्ष तथा जिला मंत्री राजेन्द्र सिंह, मोनू कुमार उपाध्याय, विजयपाल सिंह कुशवाहा, मनीष कुमार, बुलन्द प्रताप सिंह, प्रदीप यादव, चौ. ऋषिपाल सिंह, यशराज शर्मा, रीना रूपेश, रॉबिन कुमार, दीपक कुमार गुप्ता को बनाया गया। अनुज सूर्यवंशी को जिला मीडिया प्रभारी, दीपक गौतम को जिला मीडिया सहप्रभारी का दायित्व दिया गया इसके अलावा कार्यकारिणी के सदस्यों को भी चयन किया गया है।

शिक्षक दिवस धूमधाम से मनाया गया

भारत संवाद

सहारनपुर। मण्डी समीति रोड स्थित पाइन हिल्स में शिक्षक दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सभी अध्यापक एवं अध्यापिकाओं को सम्मानित किया गया तथा उनके योगदान के लिए उन्हें पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।कार्यक्रम की शुरूआत भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को याद करते हुए की गई इस अवसर पर स्कूल के मैनेजिंग डिरेक्टर डॉ. मोहम्मद खालिद अंसारी एडवोकेट ने सभी शिक्षकों का आभार प्रकट करते हुए उन्हें शुभकामनाए दी। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता होते हैं। वे स्वयं राजा नहीं होते, लेकिन राजा बनाने वाले वही होते हैं।चेयरमैन सऊद खान ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए के शिक्षकों से आह्वान किया कि वे आधुनिक शिक्षा प्रणाली से जुड़कर विद्यार्थियों को नवीनतम ज्ञान प्रदान करें।स्कूल के प्रधानाचार्य सैयद मोहम्मद समीर ने भी सबको शिक्षक दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हर बच्चे के जीवन में माता पिता के बाद शिक्षक का स्थान बहुत महत्वपूर्ण होता है। शिक्षकों के व्यक्तित्व का बच्चों पर गहरा प्रभाव पड़ता है तथा शिक्षक बच्चों के मार्गदर्शक एवं आदर्श होते है।

एसपी सिटी ने किया हत्या की घटना का खुलासा

भारत संवाद

सहारनपुर। एसपी सिटी ब्योम बिंदल ने आज पुलिस लाईन स्थित सभागार में थाना रामपुर मनिहारान एवं स्वाट की संयुक्त टीम द्वारा हत्या की घटना का खुलासा करते हुए दो वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार करने की जानकारी पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने यह भी बताया कि दोनों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो चाकू भी बरामद किये गये। एसपी सिटी ने बताया कि पुलिस ने हत्या की गुत्थी भी सुलझा दी है।

एसपी सिटी ने बताया कि गत 27 अगस्त को सुनील कुमार पुत्र धर्मपाल निवासी ग्राम मल्हीपुर थाना रामपुर मनिहारन की लिखित तहरीर बाबत अज्ञात व्यक्ति द्वारा वादी के भाई कंवर सैन की चाकू मार देने जिससे सरकारी अस्पताल ले जाते मृत्यु हो जाने के सम्बन्ध मे थाना रामपुर मनिहारान पर मुकदमा पंजीकृत कराया था। पुलिस टीम द्वारा आज चैकिंग के दौरान हत्या की घटना का सफल अनावरण करते हुए मौ0 सुहैल पुत्र राशिद अली नि0 मण्डी समिति रोड मौहल्ला मेहंदी सराय थाना मण्डी जनपद सहारनपुर व शशांत बर्मन पुत्र रामचन्द्र बरमन निवासी आशिर्वाद विहार कालोनी हसनपुर चुंकी थाना सदर बाजार जनपद सहारनपुर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक थाना रामपुर मनिहारान सतेन्द्र सिंह एसआई संजीव कुमार स्वाट टीम, एसआई सुभाषचन्द, मुख्य आरक्षी अरविंद धामा शामिल रहे।

रोटरी क्लब सेंट्रल ने अध्यापक दिवस का आयोजन किया

भारत संवाद

सहारनपुर। रोटरी क्लब सेंट्रल द्वारा आज अध्यापक दिवस का आयोजन ला मोंटेसरी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रोटरी गवर्नर राजपाल सिंह सहायक गवर्नर सिकंदरबीर और स्कूल की प्रधानाचार्य डॉक्टर साधना बाहरी ने किया।इस अवसर पर क्लब द्वारा एक कंप्यूटर स्कूल को दिया. तथा स्कूल बैग्स तथा प्रत्येक क्लास के लिए एलइडी ट्यूब लाइट्स भी स्कूल को दी गई। मुख्य अतिथि राजपाल सिंह ने कहा कि रोटरी शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहा है और बच्चे कंप्यूटर सीखें अच्छे माहौल में शिक्षा प्राप्त करें यह हमारा लक्ष्य है। इसीलिए आज स्कूल बैग्स और कक्षाओं के लिए लाइटिंग तथा कंप्यूटर स्कूल को दिए गए हैं। उन्होंने अध्यापको के लिए कहा कि अध्यापक एक सड़क है जिस पर अनेकों लोग अपने मंजिल पर पहुंचते हैं भले ही सड़क वही रहती है।लेकिन पूरा योगदान अध्यापकों का प्रत्येक छात्र के जीवन को बनाने में होता है। स्कूल की प्रधानाचार्य डॉक्टर साधना बाहरी रोटरी सेंट्रल क्लब का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष डॉ गिरीश, सचिव रमणीक सचदेव पूर्व अध्यक्ष राजेश कपूर सुनील भगत ने सभी अतिथियों को समृद्धि चिन्ह भेंट किये। इस अवसर पर रोटरी क्लब के पूजा कपूर सुमिता भगत दक्ष चढ़ा गुरमीत अरोड़ा तथा स्कूल से सबा सोमैया विनीता रितिका तथा सानिया आदि अध्यापक भी उपस्थित रहे और कार्यक्रम में बच्चों ने भी बड़े उत्साह से भाग लिया।

दो वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

सहारनपुर। अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत थाना कोतवाली देहात पुलिस ने दो वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सेवाराम पुत्र तेलूराम निवासी ग्राम मवी खुर्द तथा दिलदार पुत्र शकील निवासी ग्राम शेखपुरा कदीम (दोनों थाना कोतवाली देहात जनपद सहारनपुर) के रूप में हुई है।इनमें से एक अभियुक्त के खिलाफ आबकारी अधिनियम तो दूसरे के खिलाफ आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस ने दोनों को समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया।

बाढ़ पीडितों को खाद्य सामग्री भेजी जाएगी: वीरेन्द्र सिंह

भारत संवाद

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन राष्ट्र अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ओहलन ने पंजाब, हिमाचल एवं उत्तराखण्ड के लोगों द्वारा बाढ त्रादसी में यूनियन द्वारा राहत सामग्री भेजने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हजारों लोग बाढ के कारण घर से बेघर हो गये है तथा काफी मवेशी मर गये अथवा बह गये जिससे पंजाब व अन्य राज्यों में काफी जन एवं धन की हानि हुई है। उन्होंने कहा कि शीघ्र एक प्रतिनिधिमंडल राहत शिविरों में दवाईयां, खादय सामग्री, कपड़े व अन्य सामान लेकर जाएगा। उन्होंने कहा कि 6 सितम्बर को पंजाब के लिए खाद्य सामग्री अन्य सामग्री लेकर गुरदासपुर के लिए रवाना होंगे और जो बजाज शुगर मिल पर किसान यूनियन रक्षक द्वारा 10 सितम्बर को धरना दिया जाना था वह अब 23 सितम्बर को धरना दिया जाएग। इस मौके पर सुबह सिंह मलिक राष्ट्रीय संरक्षक जितेंद्र चैधरी प्रदेश अध्यक्ष,रविंद्र सैनी जिला अध्यक्ष, बिल्लू त्यागी, राहुल फौजी,सुनील राणा,गजेंद्र चैधरी, रोहित जाट, अनमोल, विनीत, राजकुमार सैनी, अजीत सैनी, उदित नौसरान, मुस्तजाब मोती, कलीम आदि उपस्थित रहे।

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा संवाद वेब आफसेट, ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से मुद्रित एवं ज्ञान गंगा कालानी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

ब्लोटिंग और गैस के लिए बासी मुंह चबाएं आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के पत्ते

क्या आपका पेट हमेशा भरा-भरा और फूला हुआ रहता है, क्या आपको थोड़ा सा खाते ही गैस बनने लगती है? अगर हां, तो पेट से जुड़ी इन समस्याओं के लिए अब आपको दवाएं लेने की जरूरत नहीं है। इन समस्याओं के इलाज के लिए आप अपने आसापास मिलने वाले पुदीने की तरह कुछ औषधीय पत्ते चबा सकते हैं।

पेट फूलने की समस्या को मेडिकल भाषा में ब्लोटिंग कहते हैं। इसकी वजह से आपको पेट में गैस महसूस हो सकती है और उसके साथ पेट में ऐंठन, दर्द और सूजन महसूस हो सकती है। दरअसल इस स्थिति में पेट में हवा भर जाती है जिससे पेट हमेशा भरा-भरा महसूस होता है। इसकी वजह से आपको कम भूख लगती है या थोड़ा सा खाते ही पेट भर जाता है। देर तक बैठे रहना, पुराना कब्ज कार्बोनेट ड्रिंक्स पीना एक साथ बहुत ज्यादा भोजन करना आदि इसके कारण हो सकते हैं। बेशक यह समस्या इतनी गंभीर नहीं है लेकिन अगर इसका समय से इलाज नहीं किया गया, तो आपको कई घातक समस्याएं हो सकती हैं। ब्लोटिंग और गैस के लिए वैसे तो कई दवाएं उपलब्ध हैं लेकिन कुछ आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों के पत्ते चबाने से आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सौंफ के पत्ते

सौंफ का उपयोग पारंपरिक रूप से पेट दर्द, सूजन, गैस और कब्ज सहित कई पाचन विकारों के लिए किया जाता है। सौंफ के पत्ते चबाने से अल्सर को रोकने और पेट फूलना कम हो सकता है। इन हरे पत्तों में सूजन और कब्ज के लक्षणों को कम करने की क्षमता होती है।

अजवाइन के पत्ते

जो लोग खाने के बाद लगातार सूजन या भारीपन का अनुभव करते हैं, उनके लिए अजवाइन की पत्तियां बेहतर उपचार हैं। अजवाइन के पत्ते पाचन में सुधार, चयापचय को बढ़ावा देने, अम्लता को दूर करने और गैस से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं।

करी पत्ते

खाली पेट करी पत्ते का सेवन विशेष रूप से बेहतर पाचन स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है। जब खाली पेट इसका सेवन किया जाता है, तो करी पत्ता पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करता है और मल त्याग का समर्थन करता है। यह आपको कब्ज से राहत दिलाने में भी मदद कर सकता है।

पुदीना के पत्ते

पुदीने की हरी पत्तियों के ठंडे और ताज़गी देने वाले गुण सूजन को ठीक करने का सबसे अच्छा उपाय है। पुदीना सूजन और पाचन संबंधी समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करता है। इसमें पेट की ऐंठन को कम करने की क्षमता होती है। अगर आपको हमेशा गैस या पेट फूलने की समस्या रहती है, तो आप रोजाना सुबह कुछ पत्ते चबा सकते हैं या फिर पुदीने की चाय पी सकते हैं।

जामुन के पत्ते

जामुन के पत्तों में पाचन वाले गुण होते हैं और यह सभी पाचन समस्याओं के लिए एक बेहतर औषधि है। इसके एंटी-फ्लैटुलेंट गुण एलिमेंटरी कैनाल में गैस को कम करने में मदद करते हैं, जिससे पेट फूलना, कब्ज और सूजन को कम करने में मदद मिलती है। इसमें एंटासिड गुण होते हैं जो पेट में अत्यधिक एसिड के निर्माण को रोकते हैं और इस तरह अपच, अल्सर और गैस्ट्राइटिस का इलाज करते हैं।

संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित करता है लिवर

दिल, किडनी और फेफड़ों की तरह लिवर भी शरीर का महत्वपूर्ण अंग है। लेकिन जब बात इसके स्वास्थ्य की आती है, तो अक्सर इसे अनदेखा कर दिया जाता है। आपको बता दें कि लिवर एक ऐसा अंग है, जो शरीर को स्वस्थ रखने के लिए कई तरह के काम करता है। लिवर शरीर का दूसरा सबसे बड़ा अंग है जिसका काम पाचन, चयापचय, विषाक्त पदार्थों को हटाना, पोषक तत्वों का भंडारण करना है। फिटनेस गुरु एंड होलिस्टिक एक्सपर्ट के अनुसार, लिवर संपूर्ण स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को प्रभावित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, इसलिए इसे स्वस्थ, साफ और मजबूत रखना जरूरी है। गर्मियों के मौसम में मिलने वाली ऐसी कई चीजें हैं, जिन्हें खाने में शामिल करके आप अपने लिवर को नैचुरली साफ और मजबूत बना सकते हैं।

लिवर को स्वस्थ रखने का घरेलू उपाय- ग्रीन टी

ग्रीन टी से शरीर को अनगिनत फायदे होते हैं। यह एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी का एक बेहतर स्रोत है। वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यह शरीर में फैट को कम करने में मदद कर सकती है।

लिवर के लिए वरदान है नींबू

नींबू को गर्मियों का तोहफा खा जाता है। इन दिनों शरीर को तरोताजा और स्वस्थ रखने के लिए इससे बेहतर विकल्प कुछ नहीं है। आपको लिवर सही शरीर के सभी अंगों को साफ और स्वस्थ रखने के लिए रोजाना नींबू पानी पीना चाहिए। नींबू विटामिन सी से भरपूर करता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। यह डिहाइड्रेशन को रोकता है और गर्मी के दिनों शरीर को ठंडा रखता है।

लिवर को मजबूत बनाते हैं अंगूर

मीठे और रसीले अंगूर खाना भला कौन पसंद नहीं करता है? अंगूर विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट का पावरहाउस हैं। अंगूर लिवर को डिटॉक्स यानी उसकी गंदगी को साफ करने और सूजन से लड़ने में मदद करते हैं।

लिवर की साफ रखने के लिए खाएं दही

गर्मियों में ऐसे खाद्य पदार्थों का सेवन करना चाहिए, जो पेट के लिए हल्के होते हैं और दही निश्चित रूप से इस सूची में सबसे ऊपर है। यह हल्का, ठंडा होता है और आपको भीतर से पोषित रखने में मदद करता है। दही प्रोबायोटिक्स का बेहतर स्रोत है। कई अध्ययनों के अनुसार, यह लीवर में फैट को कंट्रोल करता है।

लिवर को स्वस्थ रखेगा लहसुन

लहसुन में एलिसिन और सेलेनियम जैसे यौगिक उच्च मात्रा में होते हैं जो लीवर को किसी भी जहरीले नुकसान से बचाते हैं। रोजाना रात को सोने से पहले लहसुन की दो कलियां लें।

लिवर को स्वस्थ रखने का उपाय- सहजन

हरी सब्जियों में कई तरह के क्लींजिंग कंपाउंड होते हैं, जो लिवर को नैचुरली रूप से साफ करने में मदद करते हैं। ऐसी ही एक लोकप्रिय हरी सब्जी है सहजन। कई जैव रासायनिक परिणामों से पता चला है कि सहजन में लिवर फाइब्रोसिस के लक्षणों को कम करने की क्षमता होती है।

लिवर को मजबूत बनाने का नुस्खा-आंवला

आंवला का आयुर्वेद में व्यापक रूप से उपयोग किया गया है जो लिवर के कार्य को समर्थन देता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। यह लिवर के कामकाज को बेहतर बनाने में भी मदद करता है। एक गिलास गर्म पानी में एक चम्मच सूखे आंवले के पाउडर को मिलाकर सुबह खाली पेट पीने से बेहतर परिणाम मिलते हैं।

लिवर को साफ करता है हल्दी

हल्दी एक अद्भुत मसाला है जो लिवर को डिटॉक्सीफाई करने में मदद करता है। यह एंजाइम को बढ़ावा देने में मदद करता है जो शरीर से आहार विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाल सकता है। सुबह सबसे पहले एक गिलास गर्म पानी के साथ आधा चम्मच हल्दी और एक चुटकी काली मिर्च का सेवन करें।

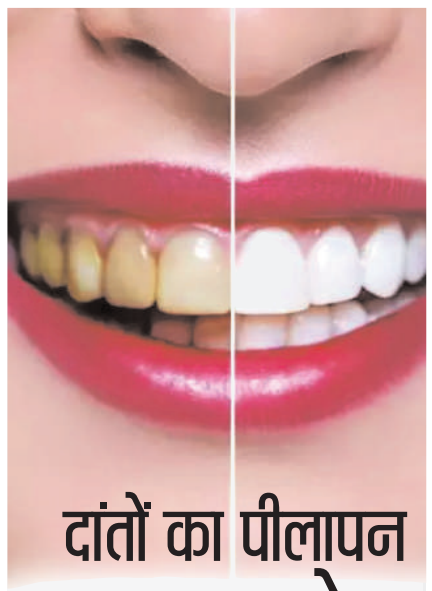

दांतों का पीलापन छुड़ाकर सफेद करेंगी ये 5 चीजें

मजबूत और सफेद दांत भला कौन नहीं चाहता है। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, दांत पीले हो जाते हैं। दरअसल चबाने और खाने-पीने के एसिड के संपर्क में आने से दांतों की तामचीनी दूर हो जाती है। तामचीनी उम्र के साथ पतली हो जाती है, जिससे दांत पीले होने लगते हैं। दांतों को सफेद करने के कई इलाज मौजूद हैं लेकिन घरेलू चीजों के जरिए भी पीले दांतों को सफेद मोती जैसे चमकाए जा सकते हैं। खाने-पीने की गलत आदतों और ओरल हाइजीन का ध्यान नहीं रखने की वजह से बहुत से लोगों को दांतों की विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसी ही एक गंभीर समस्या दांतों का पीलापन है। जाहिर है दांतों का पीला होना किसी के लिए भी शर्मिंदगी का कारण बन सकता है। वैसे तो दांतों में चिपका मैल या पीलापन रोजाना ब्रश करने से साफ हो जाता है लेकिन कई बार यह मजबूती से चिपक जाता है, जिसे छुड़ाना आसान नहीं होता है। मजबूत और सफेद दांत भला कौन नहीं चाहता है। जैसे-जैसे आप बड़े होते हैं, दांत पीले हो जाते हैं।

पीले दांतों को सफेद कैसे करें? बेशक दांतों को सफेद करने के कई इलाज मौजूद हैं लेकिन घरेलू चीजों के जरिए भी पीले दांतों को सफेद मोती जैसे चमकाए जा सकते हैं। हम आपको दांतों का पीलापन हटाने के लिए घरेलू उपाय बता रहे हैं, जिनसे आपको डेंटिस्ट के पास जाए बिना दांतों को मजबूत और उनका पीलापन हटाने में मदद मिल सकती है।

कोको पाउडर

इसके लिए आपको कोको पाउडर और पानी या नारियल का तेल चाहिए। सबसे पहले कोको पाउडर को नारियल के तेल या पानी के साथ मिलाएं। इसका एक पेस्ट बना लें। इस मिश्रण से अपने दांतों को हमेशा की तरह ब्रश करें।

नीम के पत्ते

इसके लिए आपको नीम के पत्ते और पानी चाहिए। सबसे पहले नीम के पत्तों को पानी के बर्तन में उबालने के लिए रख दें। इसे छान लें ताकि तरल साफ हो जाए। इसे ठंडा होने दें और इस घोल से गरारे करें।

एप्सम साल्ट

नमक और पानी को बराबर भागों में मिला लें। तब तक हिलाएं जब तक कि नमक पूरी तरह से घुल न जाए। इस मिश्रण को टूथब्रश से अपने दांतों पर लगाएं। आप इससे गरारे भी कर सकते हैं और फिर साफ पानी से अपना मुंह धो लें।

अदरक और नमक

अदरक के एक छोटे टुकड़े को पीस लें। या इसे कद्दूकस भी किया जा सकता है। 1/4 छोटा चम्मच नमक लेकर अदरक में डाल दें। नींबू का एक टुकड़ा काटें, मिश्रण में रस निचोड़ें और फिर से अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसे टूथब्रश से दांतों पर लगाएं।

पुदीने के पत्ते और नारियल का तेल

पुदीने के पत्तों को पीसकर नारियल के तेल में मिला लें। अच्छी तरह मिलाएं और इस मिश्रण को टूथब्रश से अपने दांतों पर लगाएं। पुदीने का अधिक प्रयोग न करें, 3-5 पत्ते पर्याप्त हैं।

कैल्शियम पचाने के लिए जरूरी है विटामिन डी

बेशक हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए कैल्शियम जरूरी है लेकिन इसे जल्दी पचाने के लिए विटामिन डी भी जरूरी है, सुबह की धूप के अलावा कई खाने की चीजों में यह पोषक तत्व पाया जाता है।

हड्डियों का कमजोर होना आपके पूरे शरीर के लिए खतरे की घंटी है। आपका पूरा शरीर हड्डियों के ढांचे पर टिका हुआ है। हड्डियों में किसी भी तरह कमजोरी आपको मोहताज बना सकती है। यही वजह है कि हड्डियों की देखभाल के लिए हर संभव उपाय करने चाहिए। हड्डियों की सेहत खराब होने से आपको रिकेट्स और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी खतरनाक बीमारियों का खतरा हो सकता है और गुजरते समय के साथ हड्डी टूटने का खतरा बढ़ सकता है। आपकी हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत रखने के लिए पर्याप्त कैल्शियम और आपके शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करने के लिए विटामिन-डी की जरूरत होती है। इसका मतलब यह है कि आपको कैल्शियम के अलावा विटामिन-डी से भरपूर खाद्य पदार्थों का भी खूब सेवन करना चाहिए।

रोजाना कितने कैल्शियम की जरूरत होती है?

विटामिन-डी से पहले आपको यह जानना जरूरी है कि हड्डियों को स्वस्थ रखने के लिए आपको रोजाना कितने कैल्शियम की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वयस्कों को एक दिन में 700mg कैल्शियम की आवश्यकता होती है।

रोजाना कितने विटामिन-डी की जरूरत

वयस्कों को एक दिन में विटामिन-डी की 10 माइक्रोग्राम (400 इंटरनेशनल यूनिट या आईयू) की आवश्यकता होती है। विटामिन डी को खाद्य पदार्थों से प्राप्त करना मुश्किल है इसलिए आप इसे सुबह की धूप से भी प्राप्त कर सकते हैं।

अंडे की जर्दी

अंडे प्रोटीन और कैल्शियम के अलावा विटामिन डी का भी बढ़िया स्रोत है। एक बड़े अंडे की जर्दी 36.7 IU विटामिन डी प्रदान करती है। आप अपने दिन की शुरुआत दो अंडों के साथ कर सकते हैं।

संतरे का रस

इसके लिए आप फोर्टिफाइड ओरेंज जूस ले सकते हैं जिससे आपको 33.4 IU विटामिन डी मिल सकता है। हालांकि सभी फोर्टिफाइड फूड्स में विटामिन डी की मात्रा उतनी अधिक नहीं होती है, जितनी फिश में होती है।

गाय का दूध

8-औंस स्किम्ड गाय के दूध के गिलास से आपको 107.5 IU विटामिन डी मिल सकता है जबकि सोया दूध की इतनी ही मात्रा से आपको 97.6 IU विटामिन डी मिल सकता है।

विटामिन डी के लिए खाएं मशरूम

मशरूम उन लोगों के लिए विटामिन डी का सबसे बढ़िया स्रोत है, जो पशु उत्पाद नहीं खाते हैं। बेशक इसमें बहुत ज्यादा नहीं है लेकिन 100 ग्राम मशरूम (लगभग एक कप) से आपको 8 IU विटामिन डी मिल सकता है।

ब्रिटेन की डिप्टी-पीएम का इस्तीफा

घर खरीदने पर कम टैक्स दिया, गलती मान पद छोड़ा; एक साल में 8 मंत्रियों ने इस्तीफा दिया

एजेंसी

लंदन, ब्रिटेन की उप-प्रधानमंत्री एंजेला रेनर ने शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लोकल मीडिया के मुताबिक, उन्होंने माना कि नए घर के लिए प्रॉपर्टी टैक्स चुकाते समय उनसे गलती हुई और उन्होंने तय टैक्स से कम भुगतान किया था। एंजेला रेनर समेत पिछले 1 साल में 8 मंत्री कीर स्टार्मर की सरकार से इस्तीफा दे चुके हैं। रेनर का इस्तीफा ब्रिटिश सरकार के लिए बड़ा नुकसान माना जा रहा है। पिछली बार जब रेनर पर जानबूझकर टैक्स गबन का आरोप लगा था, तब स्टार्मर ने उनका बचाव किया था। लेकिन अब उनके इस्तीफे से सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उन्होंने लेबर पार्टी की डिप्टी-लीडर की जिम्मेदारी भी छोड़ दी। अब पार्टी में नया डिप्टी-लीडर चुनने के लिए चुनाव होगा। प्रधानमंत्री के सलाहकार लॉरी मैग्नस ने कहा कि रेनर ने ईमानदारी दिखाई, लेकिन उन्होंने नियम तोड़ा। रेनर ने फ्लैट

खरीदते समय वकील की सलाह ली, पर टैक्स एक्सपर्ट की सलाह नहीं ली, जो जरूरी थी।

रेनर ने बुधवार को खुद मान लिया था कि टैक्स भुगतान मामले में उनसे गलती हुई है और उन्हें मंत्री स्तर के मानकों पर जांच के लिए स्वतंत्र सलाहकार के पास जाना पड़ा। एक इंटरव्यू में रेनर ने बताया था कि उन्होंने अपने बेटे के लिए एक ट्रस्ट बनाया था, जो चोट की वजह से जीवनभर दिव्यांग रहेगा। इस ट्रस्ट के जरिए उन्होंने उत्तरी इंग्लैंड वाले अपने घर का हिस्सा बेचकर दक्षिण इंग्लैंड के होव में समुद्र किनारे एक अपार्टमेंट खरीदा। उन्हें लगा था कि इस खरीद पर उन्हें दूसरे घर का हाई टैक्स नहीं देना पड़ेगा। लेकिन बाद में कानूनी सलाह लेने के बाद उन्हें पता चला कि यह गलती थी। अब उन्होंने कहा है कि वे एक्स्ट्रा टैक्स नहीं चुकाने की गलती सुधारने के लिए ये कदम उठा रही हैं। रेनर मिडिल वर्किंग क्लास से उठकर ब्रिटेन की राजनीति में टॉप पर तक पहुंचीं और लेबर पार्टी के अंदर वामपंथी और मध्यमार्गी गुटों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती थीं। कई लोगों की नजर में उनकी अपील स्टार्मर से भी ज्यादा थी और उन्हें स्टार्मर की उत्तराधिकारी माना जा रहा था। इसे उनका इस्तीफा पार्टी को एकजुट रखने के लिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने कहा कि रेनर का इस्तीफा दुखद है। उन्होंने रेनर की तारीफ की और कहा कि वे अब भी पार्टी में अहम पोजिशन पर रहेंगी। वहीं, विपक्षी नेता केमी बडेनोच ने कहा कि रेनर को पहले ही हटा देना चाहिए था। हाल के वक्त में ढट स्टार्मर और लेबर पार्टी की लोकप्रियता में भारी गिरावट आई है। लेबर पार्टी के कुछ नेताओं पर आरोप हैं कि उन्होंने दानदाताओं से महंगे कपड़े और कॉन्सर्ट टिकट जैसी चीजें ली हैं। रेनर का इस्तीफा सरकार के लिए बड़ा झटका है,

क्योंकि उन पर 15 लाख घर बनाने के लेबर पार्टी के अहम वादे को लागू करने की जिम्मेदार थी। वहीं, लोकलुभावन वादे करने वाली रिफॉर्म यूके पार्टी लोकप्रियता के मामले में उनसे आगे निकल रही है।

वेनेजुएला ने अमेरिकी वॉरशिप के ऊपर उड़ाया एफ-16 फाइटर जेट

अमेरिका बोला- ताकत दिखाने की कोशिश न करें, अंजाम बुरा होगा

एजेंसी

कराकस, अमेरिका और वेनेजुएला के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। वेनेजुएला के दो एफ-16 लड़ाकू विमानों ने गुरुवार को कैरेबियन सागर में अमेरिकी वॉरशिप यूएसए जेसन डनहम के ऊपर से उड़ान भरी। अमेरिका ने इस कदम की आलोचना की और कहा कि वेनेजुएला ताकत दिखाने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी रक्षा विभाग ने देर रात जारी बयान में वेनेजुएला को चेतावनी दी कि वे आगे ऐसी उकसावे वाली हरकत की तो अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहे। डनहम एक गाइडेड-मिसाइल डेस्ट्रॉयर वॉरशिप है, जिसे अमेरिका ने पिछले सप्ताह वेनेजुएला के पास तैनात किया था। अमेरिका के मुताबिक, यह जहाज ड्रग्स और आपराधिक संगठनों को निशाना बनाने के लिए तैनात किया गया है। 40 साल पहले अमेरिका और वेनेजुएला के बीच संबंध काफी अच्छे थे। साल 1982 में वेनेजुएला और अमेरिकी कंपनी लॉकहीड मार्टिन के बीच 24 एफ-16 फाइटर जेट्स को लेकर करार हुआ था। इनकी डिलिवरी 1982 से 1985 के बीच हुई। यह पहली बार था जब किसी लैटिन अमेरिकी देश को एफ-16 दिए गए। शुरूआत में इन विमानों का रखरखाव और अपग्रेड भी अमेरिका ही करता था। 2000 के बाद जब ह्यूगो शावेज और फिर निकोलस मादुरो वेनेजुएला की सत्ता में आए, तब अमेरिका से इसके के रिश्ते बिगड़ गए। अमेरिका ने 2006 में वेनेजुएला पर हथियार प्रतिबंध लगा दिया,

जिस कारण वेनेजुएला अब अपने एफ-16 के लिए अमेरिकी स्पेयर पाट्र्स नहीं खरीद सकता था। इसके चलते ज्यादातर एफ-16 जेट धीरे-धीरे खराब हो रहे हैं और इनका इस्तेमाल सीमित हो गया है। आधिकारिक तौर पर वेनेजुएला के पास अब 5 से 6 एफ-16 हैं जो उड़ने के काबिल हैं। बाकी या तो स्टोरेज में हैं या कबाड़ बन चुके हैं। वेनेजुएला ने इन्हें अपग्रेड कराने के लिए रूस और ईरान से मदद लेने की कोशिश भी की, लेकिन एफ-16 अमेरिकी तकनीक है, इसलिए इसे पूरी तरह से अपग्रेड करना मुश्किल हो गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ड्रग कार्टेल पर सख्ती के लिए यह नौसैनिक अभियान शुरू किया था। इसी वजह से दोनों देशों के रिश्तों में और तनाव बढ़ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने राष्ट्रपति मादुरो पर आरोप लगाया है कि वह ड्रग काटेर्लों से मिले हुए हैं और उनकी मदद से अमेरिका और उसके इलाको में नशीले पदार्थों की तस्करी करते हैं। अमेरिका ने तो मादुरो की गिरफ्तारी पर इनाम बढ़ाकर 5 करोड़ डॉलर तक कर दिया है। हालांकि, वेनेजुएला सरकार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है और किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया है।

ट्रम्प बोले- हमने भारत-रूस को चीन के हाथों खो दिया

मोदी-पुतिन और जिनपिंग की फोटो पोस्ट की; कल कहा- भारत पर टैरिफ लगाना जरूरी

एजेंसी

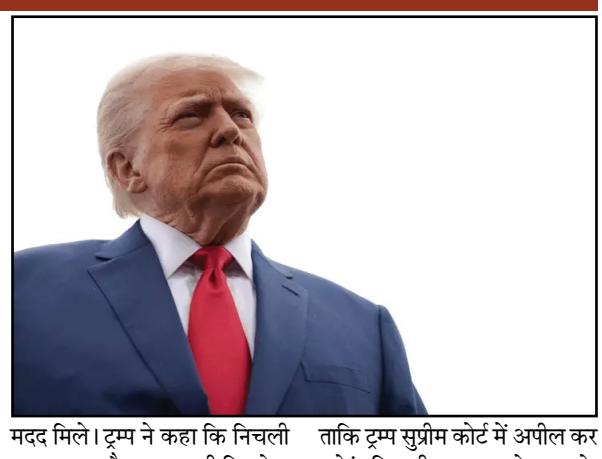

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने आशंका जताई है कि रूस और भारत अब चीन के पाले में जा चुके हैं। उन्होंने शुक्रवार को ट्रुथ सोशल पर लिखा- ऐसा लगता है कि हमने भारत और रूस को चीन के हाथों खो दिया है। उम्मीद है उनका भविष्य अच्छा होगा। वहीं, भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने ट्रम्प के इस पोस्ट पर कोई भी बयान देने से इनकार कर दिया है। भारत पर 50% टैरिफ लगाने के बाद से दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए हैं। भारत समेत बाकी देशों पर हाई टैरिफ लगाने के मामला की सुनवाई वर कोर्ट में चल रही है। ट्रम्प ने गुरुवार को कोर्ट में भारत पर टैरिफ लगाने को जरूरी बताया था। उन्होंने कहा था कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो अमेरिका को बहुत ज्यादा आर्थिक नुकसान होगा। ट्रम्प ने इससे पहले 4 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में एक अपील दायर की थी। इसमें उन्होंने निचली अदालत के उस फैसले को चुनौती दी, जिसमें कहा गया था कि ट्रम्प विदेशी सामान पर भारी टैरिफ नहीं लगा सकते। ट्रम्प ने कहा था कि भारत पर लगाए गए टैरिफ रूस-यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए बहुत जरूरी हैं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दलील दी कि भारत पर रूसी तेल खरीदने के लिए टैरिफ लगाया गया, ताकि युद्ध खत्म करने में मदद मिले। ट्रम्प ने कहा कि निचली अदालत का फैसला उनकी पिछले 5 महीनों की व्यापारिक बातचीत को मुश्किल में डाल सकता है। इससे यूरोपीय यूनियन, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों के साथ हुए समझौते खतरे में पड़ सकते हैं। वहीं, छोटे कारोबारियों के वकील जेफ्री श्वाब ने कहा कि ट्रम्प के ये टैरिफ छोटे व्यवसायों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। वे जल्दी फैसले की उम्मीद कर रहे हैं। इससे पहले अमेरिका की एक अपील कोर्ट ने ट्रम्प के ज्यादातर टैरिफ को गैरकानूनी बताया था। कोर्ट ने कहा था कि ट्रम्प ने इन टैरिफ को लागू करने के लिए जिस कानून का सहारा लिया, वह उन्हें यह अधिकार नहीं देता। कोर्ट ने कहा कि ट्रम्प के पास हर आयात पर टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति नहीं है। हालांकि, कोर्ट ने इस फैसले को अक्टूबर तक लागू करने से रोक दिया,

ताकि ट्रम्प सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकें। निचली अदालत ने 7-4 के फैसले में कहा था कि 1977 का इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईईपीए) ट्रम्प को इतने बड़े टैरिफ लगाने की इजाजत नहीं देता। ट्रम्प ने बुधवार (3 सितंबर) को कहा कि भारत टैरिफ लगाकर हमें (अमेरिका) मार रहा है। उन्होंने द स्कॉट जेनिंग्स रेडियो शो में बात करते हुए कहा कि भारत, चीन और ब्राजील जैसे देश अपने ऊंचे टैरिफ से अमेरिका को मार रहे हैं। ट्रम्प ने कहा- मैं टैरिफ को दुनिया में सबसे बेहतर समझता हूं। भारत दुनिया में सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाला देश था, लेकिन अब उन्होंने मुझे जीरो टैरिफ का ऑफर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर अमेरिका ने भारत पर टैरिफ नहीं लगाए होते, तो भारत ऐसा ऑफर कभी नहीं देता।

यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी देंगे 26 देश

यूक्रेन बॉर्डर पर इंटरनेशनल फोर्स तैनात होगी; जेलेंस्की ने ट्रम्प से भी समर्थन मांगा

एजेंसी

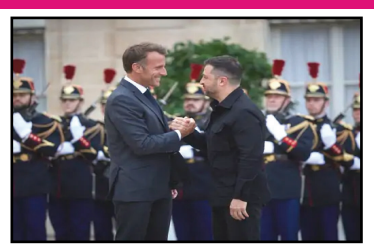

पेरिस, 26 यूरोपीय देशों ने यूक्रेन को पोस्ट वॉर सुरक्षा गारंटी देने का वादा किया है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में एक इंटरनेशनल फोर्स भी तैनात की जाएगी। मैक्रों ने कोएलिशन ऑफ विलिंग्स समिट के बाद प्रेस मीट में ये जानकारी दी। इस बैठक में एव समेत 35 देशों के नेता के शामिल हुए, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समिट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से भी बातचीत की और गारंटी के लिए समर्थन देने को कहा। मैक्रों ने कहा कि इससे भविष्य में किसी बड़े हमले को रोका जा सकेगा। कुछ देश यूक्रेन के बाहर से भी सहायता देंगे, जैसे कि यूक्रेनी सेना को ट्रेनिंग देना और हथियारों की आपूर्ति करना। हालांकि, मैक्रों ने यह साफ नहीं किया कि कितने सैनिक शामिल होंगे या कौन-कौन से देश इस गारंटी में हिस्सा लेंगे। मैक्रों ने बताया कि सहायता देने वाले देशों की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि कई देश अभी फैसला लेने की प्रक्रिया में हैं। वहीं, अमेरिका की भागीदारी को लेकर अगले कुछ दिनों में अंतिम निर्णय होने की उम्मीद है। अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने इस समिट में हिस्सा लिया। बैठक से पहले उन्होंने फ्रांसीसी, ब्रिटिश, जर्मन, इतालवी और यूक्रेनी वरिष्ठ राजनयिकों से मुलाकात की। यूरोपीय अधिकारियों का कहना है कि यूक्रेन में शांति अभी दूर की कौड़ी लगती है, लेकिन वे युद्ध खत्म होने के बाद भी किसी भी इमरजेंसी के लिए तैयार रहना चाहते हैं। वे मानते हैं कि, इस प्रयास से यूक्रेन को अपने समर्थन का भरोसा दिला सकते हैं। साथ ही उम्मीद करते हैं कि ट्रम्प उनके फैसले में शामिल होंगे।

बाढ़ पीड़ितों से मिलकर केजरीवाल का छलका दर्द

बोले- खाने-पानी तक की दिक्कत, सरकार कहाँ है?

एजेंसी

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शास्त्री पार्क में बाढ़ पीड़ितों से मुलाकात की, जहाँ उन्होंने राहत शिविरों में भोजन, पानी और मच्छर नियंत्रण की कमी जैसी गंभीर अव्यवस्थाओं को उजागर किया। उन्होंने इस प्राकृतिक आपदा के बावजूद लोगों को सुविधाएँ मुहैया कराने की ज़िम्मेदारी सरकार की बताई और जलभराव के लिए नालों की सफाई व गाद निकालने में देरी को मुख्य कारण बताया।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शास्त्री पार्क क्षेत्र का दौरा किया और गंभीर जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति का सामना कर रहे क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि हम राहत शिविर में लोगों का हालचाल जानने आए हैं। वे कई समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्हें समय पर खाना नहीं मिल रहा है, मच्छरों का प्रकोप है, लेकिन उनसे निपटने के लिए कोई व्यवस्था नहीं है, पीने के पानी की समस्या है, हमें बताया गया कि कल ही टेंट लगाए गए थे, जबकि बारिश पहले से ही हो रही थी। केजरीवाल ने आगे कहा कि हम समझ सकते हैं कि यह एक प्राकृतिक आपदा है, लेकिन लोगों के लिए सभी व्यवस्थाएँ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि राहत शिविरों में लोगों को सभी सुविधाएँ प्रदान करें। दिल्ली में हर जगह जलभराव है, कई इलाकों में इसका मुख्य कारण समय पर गाद निकालने का काम न होना, नालों की सफाई न होना और कई इलाकों में सीवर का बैकफ़्लो होना है। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में पीने का पानी नहीं है। इसलिए, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि लोगों को जितनी भी सुविधाएँ उपलब्ध हों, उपलब्ध कराई जाएँ... पूरा उत्तर भारत - जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड बाढ़ से जूझ रहे हैं। इसलिए, मैं केंद्र से आग्रह करता हूँ कि लोगों को यथासंभव राहत प्रदान की जाए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र ने अफगानिस्तान में आए भूकंप के बाद राहत सामग्री उपलब्ध कराई थी। यह अच्छी बात है, लेकिन केंद्र को उन सभी राज्यों को भी राहत प्रदान करनी चाहिए जो इस समय संकट में हैं। गुरुवार सुबह 10 बजे पुराने रेलवे पुल पर यमुना का जलस्तर 207.47 मीटर दर्ज किया गया। पिछले दो घंटों से जलस्तर स्थिर बना हुआ है, आज सुबह 8 और 9 बजे भी यही स्तर दर्ज किया गया। लगातार बारिश के बाद नदी लगातार खतरे के निशान 205.33 मीटर से ऊपर बह रही है। शहर के लिए यमुना का चेतावनी चिह्न 204.5 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है। लोगों को 206 मीटर से निकालने का काम शुरू हो गया है। इससे पहले आज सुबह 6 से 7 बजे के बीच यमुना नदी का जलस्तर 207.48 मीटर था। हालाँकि, राजधानी में नदी के जलस्तर में मामूली गिरावट के बावजूद, यमुना नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

जरूरी हैं अधिक समर्पित एनआईए अदालतें

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को दिया निर्देश

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच उस मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें अदालत ने पहले ही यह जरूरत बताई थी कि गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) जैसे कानूनों के तहत आने वाले विशेष मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें होनी चाहिए।

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से कहा कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) द्वारा जांचे गए मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने में उसकी लगातार विफलता, कठोर अपराधियों को मुकदमे में देरी करके व्यवस्था को हाईजैक करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। कथित माओवादी समर्थक द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने केंद्र से आग्रह किया कि वह समयबद्ध सुनवाई के संबंध में लोगों में सकारात्मक संदेश सुनिश्चित करने के लिए बजटीय आवंटन उदार बनाए। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच उस मामले की सुनवाई कर रही है, जिसमें अदालत ने पहले ही यह जरूरत बताई थी कि गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) जैसे कानूनों के तहत आने वाले विशेष मामलों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतें होनी चाहिए। मुकदमों को टाइमबाउंड रूप से पूरा करने पर जोर: सुनवाई के दौरान, अदालत ने मुकदमों को टाइमबाउंड रूप से पूरा करने के महत्व पर बल दिया। जस्टिस सूर्यकांत ने अडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा कि यह आपके लिए बेहतर है। अगर आप विशेष रूप से ऐसे जघन्य अपराधों में समयबद्ध मुकदमे चला सकते हैं, तो यह समाज के लिए बहुत अच्छा संदेश होगा। यहां तक कि बड़े अपराधियों को भी कड़ा संदेश जाएगा, जो यह सोचते हैं कि वे पूरे सिस्टम को हाईजैक कर सकते हैं। 10 साल तक वे मुकदमा पूरा नहीं होने देंगे और अदालतों को विवश होकर जमानत देनी पड़ेगी। एनआईए की ओर से पेश होते हुए ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि इस प्रक्रिया में राज्यों को शामिल करना होगा, क्योंकि विशेष एनआईए अदालतों के गठन की शक्ति उन्हीं के पास है। अदालत की यह टिप्पणी केंद्र द्वारा दायर एक हलफनामे के बाद आई है जिसमें संकेत दिया गया है कि एनआईए मामलों की सुनवाई के लिए समर्पित विशेष अदालतें स्थापित करने हेतु 11 राज्यों के साथ बातचीत चल रही है। यह 18 जुलाई को शीर्ष अदालत के एक आदेश के बाद आया है जिसमें केंद्र और राज्यों को चेतावनी दी गई थी कि समर्पित विशेष एनआईए अदालतें स्थापित करने में उनकी ओर से विफलता के कारण अदालत के पास एनआईए अधिनियम के तहत दर्ज जघन्य अपराधों के लिए जेल में बंद कैदियों को जमानत देने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा।

इ से बीड़ी और बिहार... केरल कांग्रेस का एक ट्वीट और मच गया चौतरफा बवाल

केरल कांग्रेस के एक ट्वीट ने जीएसटी सुधारों पर केंद्र की आलोचना करते हुए बीड़ी और बिहार बी से शुरू होते हैं, इसे अब पाप नहीं माना जा सकता टिप्पणी कर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। इस ट्वीट को बिहार का अपमान बताते हुए भाजपा नेताओं, जिनमें उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और दिलीप जायसवाल शामिल हैं, ने कड़ी आपत्ति जताई है और कांग्रेस की मानसिकता पर सवाल उठाए हैं। यह पोस्ट सोशल मीडिया से हटा ली गई है, लेकिन बिहार में राजनीतिक घमासान जारी है।

एजेंसी

कांग्रेस की केरल इकाई ने केंद्र सरकार के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों पर एक सोशल मीडिया पोस्ट लिखकर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। अब हटा दी गई एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस ने तंबाकू उत्पाद पर जीएसटी कटौती का हवाला देते हुए कहा कि बीड़ी और बिहार बी से शुरू होते हैं और इसे अब पाप नहीं माना जा सकता। बिहार के उपमुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी ने इसे पूरे बिहार का अपमान बताया। उन्होंने लिखा कि पहले हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूजनीय माताजी का अपमान और अब पूरे बिहार का अपमान - यही कांग्रेस का असली चरित्र है, जो बार-बार देश के सामने उजागर हो रहा है। बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने बिहार के लिए अपनी मानसिकता और सोच प्रदर्शित की है। कांग्रेस के नेता बिहार और बिहारियों का अपमान करते हैं। कांग्रेस केरल की पोस्ट से आप समझ गए होंगे कि बिहारियों का अपमान करना कांग्रेस पार्टी का काम है। इसलिए उन्होंने कहा ₹बीड़ी और बिहार की शुरूआत बी से होती है... बिहार की जनता कांग्रेस पार्टी से पूछ रही है ।

पीयूष गोयल का दावा, कांग्रेस ने लादा था भारी कर बोझ

मोदी सरकार के जीएसटी से मिलेगी उपभोक्ताओं को बड़ी राहत

पीयूष गोयल ने कांग्रेस पर उनके उच्च करों को लेकर निशाना साधा और कहा कि नई जीएसटी दरें भारत के 'विकास चक्र' को गति देंगी, जिससे निवेश और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने दावा किया कि मोदी सरकार द्वारा किए गए ये ऐतिहासिक बदलाव उपभोक्ताओं और व्यवसायों को सीधा लाभ पहुंचाएंगे, जिससे अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मदद मिलेगी।

एजेंसी

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए उसने नागरिकों पर भारी करों का बोझ डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा जीएसटी में हालिया बदलाव से निवेश और रोजगार की एक नई लहर पैदा होगी जो भारत के विकास चक्र को गति देगी। नई दिल्ली में भाजपा द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, गोयल ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव अर्थव्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ है। उन्होंने कहा कि जीएसटी में बदलाव आने वाले दिनों में

अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। मंत्री ने तर्क दिया कि नई व्यवस्था के तहत कम करों से उपभोक्ताओं और व्यवसायों को सीधा लाभ होगा। उन्होंने कहा कि सबसे पहले मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि इतना ऐतिहासिक और व्यापक बदलाव जो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा, शायद आजादी के बाद पहली बार इतने बड़े रूप में देश के टैक्स स्ट्रक्चर में किया गया है। इतनी बड़ी राहत देश के उपभोक्ताओं को दी गई है, जो व्यापार करने में आसानी के लिए प्रभावशाली रहेगी। एक नई उमंग के साथ हमारे देश के किसान, युवा, महिलाएं, टरटए और हर वर्ग का उपभोक्ता, उधमी, सभी को एक बड़ा तोहफा 22 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन मिलने जा रहा है। भाजपा नेता ने कहा कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री जी ने देश से वादा किया था कि अब देश निकल पड़ा है, रुकेगा नहीं, झुकेगा नहीं। अब बड़े परिणाम देने वाले कदम उठाने की क्षमता भारत में है। उन्होंने कहा कि 2014 में, जब हमारी सरकार सत्ता में आई थी, तब यह क्षमता नहीं थी। हम सब जानते हैं कि उस समय अर्थव्यवस्था कितनी कमजोर थी और सिर्फ.भ्रष्टाचार से भरी हुई थी। वादे तो हुए, लेकिन लोगों को कुछ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने ही कभी एकीकृत कर प्रणाली की कल्पना की थी। लेकिन जब यूपीए सरकार आई, तो वे बिना कोई कार्रवाई किए वादे करते रहे।